MSS No. 445 Subject Vrata

Name of MSS Katha Shanicharji Ki

Author

Period Folios

Script Devnagiri Source Bala Sahai Shastri, Alwar, Rajasthan

Missing Folios

म ॥ बीचबीचाती भोजन अमयो ॥ कलोरा
जासु इच्छी कूसी जे बो ॥ करयो फेअवराज मु जागे ॥ इच्छी इच्छी भोज
न जै वृलन्ल्लागौ ॥ देषत जात हंसजी रिषा ॥ होनहार पेम अचरज
देषा ॥ शीत मे राजा को मूषचीगको ॥ ऊीत मै हंस हार कनीगवै ॥
ज्यो जो अन्न पशीत भोजन पावे ॥ त्यो तो हे सहार करावे ॥ जो अन्नजीमी
चूको शीत माही ॥ हार हंस नीगल अवजाही ॥ दुष मे दुक अवलो
तहे अंचरज की पुहवात ॥ ॥ चीत्र सराहत हंस कजमब हेवु अवदस
त ॥ शीही गती सेठन को उजानो ॥ हृपराज पे दशी बषाने ॥ अवही
अती जीयुससै परी है ॥ अयत दृशी कब नकरी है ॥ पेम दुषतै तो अवत
मु फी दृर ॥

पहदुपच्नारीकसोकी नदीहु ॥ च्मैसी ळनीरडी ... ... हानि
केपच्नगमोहे मोही ॥ वीजुमसीहार च्मन्नो पच्नपोहैं ॥ पच्नहे तपो
2 नीगलीगपोहे ॥ जोकाहुसु वातसुनाउ ॥ च्मपके मनमें कोपतीपा
वे ॥ च्मच्चरजनपो च्नपोपो होहें ॥ जोसुनीहैसोमोहीजुठपे ॥ कनी
गच्नहीडीहुकसटसपरवो ॥ हीनवील्पो च्मवनीसनच्मघेरी ॥ वाही
मेहरमैपुनैपो छापोम हरानी ॥ वीपुरमसेनराजवड च्नाग ॥ माहाडु
बीहोपोछन लागे ॥ नीहनपरै मेच्चमनछ्वापे ॥ निहैच्चै हाहकव
कल्नगापो ॥ हारलैनजवच्मावे गोरी ॥ पावेंनीकीरैच्च हुच्मोरी ॥
फुछ मेहरकहुनपावै ॥ हारच्चरावन मोही लगावे ॥ ॥ ॥ ॥

कैहैवानीजमली हारमरावे॥ कौनकीचोगूनघामनरावौ॥ जोस्कहेतो
कोमनमानै॥ उलटोमोहीचोरकरजानै॥ सबैनगरहोहैडीपवोरा॥
पेकवीरपकैजीवमोरा॥ तातैतुमदेघोकरतारा॥ जोरकोडीपछीनोली
हमारा॥ कोनसुनैकासुकहुकहुतोकोपतीआप॥ चचहमहारहीग
त्तैमाहाकवंकलगाप॥ कोनघरीहीवीषनरमापोमोपगपहमैसमे
जापो॥ यनीदहीडीनहेतकीपोलु॥ चीचसहारतचोरनपोउ॥
वडीमचंत्रोमरननपोहि॥ मोच्चनरमजीवबूडगपोहे॥ जोरहोत
वाहरीहमजेहौ॥ हारलैनकोउजहीमैहै॥ कोनजखावउनैहमदेहे॥

पदहुष्ट्चालीकलोकरी नरीह ॥ ऐसीकनीरहैः ...

करतवीचार मनमेंमुछीपाही ॥ देवहीसरीलेंवू घिहीराही ॥ पवनोफरस
जीपुन्मचरजमाही ॥ सीरघुनीतेमवरे निवीतेही ॥ होछीदासकरी
केमनमारे ॥ जोरीहोतवाहरीपगधारे ॥ होछीदासवाहरीगएचलो
रेही ॥ वीक्रमराजजोकछुइीछ्याहैदईसोकमवकरीहैंमाजी ॥ इीती
श्रुभीमधापा चोरीप्रसंगकसटवरनन ॥ हंसहारनीगवी
येकोणाकलंकहोवेकोप्रसंगमनम पूरणं ॥ इीतराजाउठीवाह
रीमाए ॥ माहाछीदासरूपजनापे ॥ उीतमेंनगरसेठतीपेधाही ॥
राजाहेदेवनकीमनमाहीं ॥ चपीजटामापनेमैलैजली ॥ माप
चीतारकेमंदरमैंही ॥ जाकनलगीराजपीगेरा ॥ देवतरूपछकीवह
गेरी ॥

यजीयेरस्नो देषीतमासा ॥ ज्ञप्योरूपपै माहाउिदस्ता ॥ २ मतीहीय
कतनदी २ मनदरागी ॥ कीरीमंदरतैउीतरनल्लागी ॥ सुरतीमिदीसूयु 5
तापहीहे ॥ देषतहारपूटीन्हो ॥ ताधीनहरवरापतीपुहोनी ॥ सवम
दरपुछतचहुवोरी ॥ मै हैजतमेंदरचढीसूयुतासुरतीचलाय ॥
पूटीहारघरोहुलोकोलैगयोचूराय ॥ २ मतीचीतातीयूछेजीयमा
ही ॥ सवघरपुछतपावतनाही ॥ पूछतसवेघरउमो ॥ हारगयोमेह
रमैसु ॥ जोकोई देष्योहोयकैहैदीज्यो ॥ हासीकरीहोय तोवसयीजो ॥
जोमेरोसूयुताकोहारा ॥ दे मेरे कोउीलाघमसजारा ॥ तोमैवाहीवघा
हीदेहु ॥ जलोमानीहुजोमै पैहु ॥ २ मरजोलैयुरीकेनटीजैहै ॥ ८ ॥

पतद्दुषच्चारीकमोकरी नरीह॥ आपैसी कोईट्टीन...

आगैपी छैपोजपरे हैं॥ तोवहपोनवडाड़ीपैहै॥ तरामरीसापपगापो

जीपुजैहै॥ तातैकेहैतबीषमतिपीज्यो॥ आपनजीपकहोरज्ञ प्रीजो

जीनकोजीनसीचरमहो॥ तीनसुकलीउंधाडी॥ हारहीयेसुषमानी

हु॥ नातरहुषपैहवार॥ जीनतनीघरकीनारीसैहैंल्ली॥ दसीन्नीतली

नमनेपुजनेल्ली॥ औरनारीगावषीवाहरीकीटहैलेकरनआवैनी

तीघरपुी॥ सवसुनगरीसेठीतीपवोल्ली॥ कडवापचनसुनावतडे

षी॥ गपोहारजोसप्रजीनपाउी॥ तोफीरीजोरहीसेठमुनाउी॥ जब

लुगआपसमै घरमाही॥ मीलैहहारहमारोवोही॥ तोपहैवाग

नवाहरीहोहै॥ कोईनकाननकानजनहै॥ पातैजोकोईलैनेही

माही॥

जीनकीनदेख्योलेपुतवैही ॥ तोअवकैहदीजो नारी ॥ अपनोअवको 7
च्य लेपुहैवारी ॥ ताहीयौ शीतवार होहरयतावे नारी ॥ तवासदेषीकुअ
पैकहु कोनकरै शीतवार ॥ शीतनीवातसुनी अरमासा ॥ अवप्रोजीष
ऊडीगयोआश्रासा ॥ जैकोईजानततोवतरावे ॥ काहुकै मूषवात
आवे ॥ अचीरजअपोसवे मन अवही ॥ कापतवरीड रीतनसुआ ॥ तव
दासीअवरसवे गवारी ॥ करजोरैवोलतहैसारी ॥ हमनहीजाननहारत
मारो ॥ काहुन देख्योलेत उतारतो ॥ नाहयुजीपसंतापलगावो ॥ च्या
होसभोगहकरवावो ॥ वारवार पाली मूषबोले ॥ नगरसेठ तीपुसनकर
तोले ॥ कोनकोनभोगहकीवाही ॥ नाती अनेकु न न नामदीमाही ॥

पटद्दुष्वनायीकमोकरी ...

केईनातीमोगद्दलजीमनमाचीहोपुज्यापु॥जेईनमैंकछुलगात
हेतो झुठीठैरापु॥तवऊन्चाल्लग्गगीजीपुमटपे॥काहागयोमू
कतामनजरपे॥ऊंडीन्हीगयोद्दनीकीनहीहै॥वीनाल्लीपोतोग
पोन्लीहै॥काहुनेपुज्लीपोजूहुवोगो॥वीनऊपायीवहकोउ
रीहैगो॥मेन्यतमाहीनमनपछीताई॥पेपुबातजीपुमैंकैराई
कालीहैजोमद्दमैंग्मापो॥दपाहेतडरीमाहवूव्वापो॥जोजनधाक
रुचीकरवाई॥रैनीहोतवहालीपोछापो॥हाटल्लीपोवालीनैना
ई॥नीमच्चेवातपहीमनीग्माई॥पेजानीईतनोसुषदहै
मेरोनावकोनघोलेहै॥माहनेग्मपनेजीपमेपहढैराईपात॥

नीमवीकरम मैनने हारचूरापोराती॥ जोस्वातजीपमेठेरावे:॥ 1

जिनेछुरीमनमेंन्हीआवे॥ मवैवातत्ववहीवीसरानी॥ पाहीवातपभी

अरीजानी॥ अवदुषपायपपरी जरपाटी॥ ताहीछीनलक्षीनीषरवारी॥

घरीपेपमेंसहेंअसुजाय॥ नगरसेठघरमेंचलीआवे॥ देषतमाहनीवी

सुलपरीहे॥ अवहीअवकिहप्राजगीरीहे॥ पूछनलगकोहामनआसी॥

कीहीकारनजीपमेंदुषपारी॥ पामोभेदहमेसमझावो॥ उठीवेठेहसी

मेंवतरावो॥ बोलीन्हीडरीजीपमाही॥ सोची रहीअवकाहुमनाही:॥

दोहा॥ पूछतपिपप्रहेजेदषीअपनीभ्रिपसुवात॥ जीपाउदासवोलीन्ही॥

3

कैहैतजीण्डरपात॥तवरीमापछैमाहल्लरनोहै॥कोनवातप्रोहठपषु

10 ङ्गोहै॥हमवीमुनैभेदपूछजोहै॥कोहोनहमसुकारनमोहै॥डरती

पतीसुवोल्लीगोरी॥मूषताहारगयोहैचोरी॥मुवसुपूछ्रेजोघरमैहै॥

ऊपरीनीच्चैफुल्लीफीरैही॥पापोव्हीबोजग्मवतारी॥मवहीसुमोगद

करारी॥पेयुवातजीपुमैररानी॥सोंग्मवसुनोमात्चकरिजानो॥जाने

रक्तमकाल्लीवूल्लाये॥ग्मपनेजीपुमैदपाउपजाये॥चीत्रमायुमैद

रसुषदीनो॥वाग्नीमीजमानीतुमप्रीनो॥ग्मतीग्मादरवागोतुमप्रीपो

दपाहेतमनमान॥काल्लीहरतीमैदरवाहीपोछायोमीजमान॥वाउे

पासीग्मोरनहीकोउ॥वहीग्मपैकोपोपोहीउ॥मेरोहारवउंमूषताछो॥

है की चोरी को मोहन जू गायौ ॥ मदा है है वाही ल रखोरी ॥ य सनो हुतो मेर
रखी कुटी ॥ चोरी सुनो वह हातै कीनौ ॥ राती बीची काहु ने चीन्हो ॥ पो
लो हुतो जर मेहर माही ॥ वड़ो नर मह है गाड़ो मोही ॥ ओर को ही मन मै न्ही
कमावे ॥ बीना कहना मेहर मे न्ही जावै ॥ दीत नै दीन मे पहरा रखीयो ॥
तंम वल लग चोरी नाव न्ही हे ॥ नी सचे जानो वात पह गाही को हो काम ॥ जा
को तम आदर धीधी पोछा पोची ताम ॥ वे अपने मन पही वीचारी ॥
मोसु हेत धीपो है नारी ॥ असो आदर नाव करै हे ॥ मो कहु चोर कौन ठ रै है
तातै मे अपने जी पुजानी ॥ वही चोर है नी सचे प्रानी ॥ यह प्रारन हुय
नपो जर हमक ॥

8

पूछ्योनेरवतापोतूमकू॥ पाहवातछीअवतूमजानो॥ पीलघरोमती

12 मोन्चघीरानो॥ मुन्योमाहघरमेपहनेरा॥ ताछिनचिताचोगनीमे

दा॥ हमततगपेहतेघरमाही॥ नीपुरतमोन्चनपोपछताली॥ नमसोमाळ

जातहैजाकी॥ केमकैकलपरेजुवाको॥ मवसुघीवीमरीसेठकी

मुनीन्चोरीकौनाम॥ नातीऊदासचीतावली॥ जूलीगपोसवको

म॥ सेठउवाच॥ रोमनपोजीपमैदुखपापो॥ नमवराजाकुघोरीपू

छापी॥ कल्योजुचोरीनहीराताही॥ चलमालकेमेघरमाही॥ पामे

दरतौसवडरपावै॥ वीनकहेकोऊीलीजावै॥ तूमहीनापनमेकेलहो

ऊ॥ रातीवहीमेघरमैमोपे॥ तातैचरमतूमारोहीनपोहे॥ ॥॥॥

मुषताहार हमारो गयो है ॥ और कोडी को काम न्ली है ॥ नीसचै नर मन मा
रो मन ही है ॥ हम तो छीती म घर सो जान्यो ॥ वडो पूरस तन मकर करी मान्यो 13
दुषीदरषि जीय मै दुष पायो ॥ आदर दै सुन मानक रायो ॥ वडो पूरस तन
मको लष्यो ॥ मुष दीनो दुष जानी ॥ कोन सी है लागो तन मै है ॥ हार चूरा
यो अमानी ॥ हम तो तन मकर चाही वूल्याणो ॥ अपने मन मै यह ठै रायो ॥ को
दु करी पायो मन न वीअयो ॥ कोडी पदीन पाक रूप दीज्यो ॥ ज्यो पायो जीय मै जी
प आवे ॥ कछु पेक दुष पायो कटि जावे ॥ तै यह बात का हा मन धारी ॥
अभूत षोटी वूधी नी चारी ॥ चली फरी नही तै बीस बापो ॥ अब तेरे दी
न षोटे आये ॥ देषत के तन मरूप छीजारे ॥ असे गुन मै नो पधारे ॥

कोनउतनयो नामकाहाय ॥ याहीगुनतैघरतजीआयो ॥ तातैअबकर
छुवातनहीहै ॥ नीसचैचोर हमारोमहीहै ॥ यातैअतीदुषपायोकल्लो
14 तुमैसमआय ॥ अपनोअरमरयोचहोतोबहहासनताय ॥ राजाउवाचो ॥
सुनीकठोरमैठयीवानी ॥ चीकममसैनराजसुषदानी ॥ तजीतमानअ
पेदुषमाना ॥ इीतनीबातसुनीजबकाना ॥ अपनेजीयमेहैपतको
है ॥ याजीवनतैमरनभलोहै ॥ कोनसंजोगआनीउयरोहै ॥ फेरो
मेयुटजीवुपरनोहै ॥ काहायरैगोअबयुरताहै ॥ यासंयुटतैसदसको
हाहै ॥ कोजीयमासैनावतधीरा ॥ जोदुषबदनोमोमहोमरीरा ॥
जानतहुजोचीतदुषतौ ॥ मोयहलोरकहनोनहीमुषती ॥ जोरकैहत

कोमनमानै॥ अपनेमनमेराखीसपानै॥ साचसच्चनाहैराजडौ॥ द्रु
बलीकैहैजात॥ साचधरमकुजानीके॥ कैहैतसेठसुवात॥ देतगर 15
वायसेठकुराजा॥ पाचोरीकोसाचअवाजा॥ शीतनोबोलकुबोल
महलोहै॥ वाचीनकुनाहीकलोहै॥ साचेमनसुकैहैतनरेसा॥
सुकोसेठहमतोपरदेसा॥ नजान्योकीतदुखमेमारे॥ घरतजीआये
देमनमारै॥ मेरोतनअमआदरभरवायो॥ मैअपनेमनवोहोसिहा
पो॥ जोरहोतकैसीमनआदी॥ मेरेसीरचोरीठैराही॥ हमतोआ
बीनाहुनहीदेख्यो॥ अबतयमोटीबातनजानी॥ अबतूमकहोसो
झीश्रमानी॥ रानीकहुदेख्योनहीकाहाधरोहोहार॥ मतैअपनेदुख
करोमोपुगाणोवेबा
१॥

जो तूम वात पूछी मन माभ्यो ॥ मैं तो नाम मसही अरी उपायो ॥ तो मे
रोव मसमि ठका हाहै ॥ कही बात मन कही न जाहै ॥ पेष वात जो रजी
16 पूमै है ॥ जो तूम रे मन माच लगे है ॥ मनो माच है जौ न पतीजे ॥ तो
मन माव मो न मंडी उपो ॥ जो पहुचो री न दूमि सही है ॥ या मैं तो संदेह नही
है ॥ लै [illegible]हार जो त्रीयो जू हूगो ॥ मो वह फकीर [illegible]मोकरी ठैरे गो ॥ चोर हो
पघन क छु चूरावै ॥ वा मो पग नाही ठै हराव ॥ लै [illegible] री माल न जे न म
न गावा ॥ वा वसती मे रहे न पावा ॥ चोर चूरावै माल क कछु पड घर
न माय ॥ तुर तजी व लै ना जिहै नै सुन पग ठैराय ॥ मो न मव जो जी यो
जनी मारे ॥ ठी पुप रती ही गाव मै चारे ॥ गपो माय जो फकीरी करी आवे ॥

तोवैड़ अमीगीयायकहोवै ॥ आनहार कोहु पुरी जावै ॥ आगवे द्योहाय
तो फीरी आवै ॥ तातै वातमें उचित कीज्यो ॥ अैसो चोर होपुस्नूनि 17
षीज्यो ॥ ज्यौ हम मनमे पोटी धरतौ ॥ नीसमे हरमैं चोरी करतै ॥ मा
अच्छू रापकहु हौ वहते ॥ कतो कारिदु वारै तुम्हारे रह ॥ अैसो चोर
कोनसो है वैगो ॥ ज्यो [illegible] कोई उवैठी रहै है गो ॥ तातै तुम जीयु मोहीवी
चारो ॥ मेरो आर मन चीत मैं धारो ॥ अैसो दीप जरवावहै वीचकम मे
नासमार ॥ जो पुह वातन मन वसै तो हम चोर तुम माल ॥ मेठ उवाचे ॥
मुनीपेठ राजा श्रीवानी ॥ अपने जीयमैं न पन आनी ॥ रोस चारो जीयुमे
अपनो कोहै ॥ पोतो साच्चो होय न इनोहै ॥ मेरी हीचोरी पहजावे ॥ ८६ ॥

पौमाचोहोकरीमोहीजुहावै॥ मालनचूरायफीरतहैग्मैसो॥ मोलीजूवावदेत
हैवैसो॥ ग्मवमैपाहीमहाल्लैजैहु॥ पाचोरीयेन्यावकरैहु॥ जाहाराजा
मनीरामवीराजै॥ पहननगरीउनिहीपीछाजै॥ पहवीचारसेठमनमाली॥
पाकग्मवल्लैचल्लीहुवाहाली॥ ग्मतीहीपापैकोघवछापो॥ क्षीपेराजा
पीछुओछीग्मापो॥ चोरमहीकरीसैग्मयक्वापोराजाद्वुवार॥ पाचोरीपे
न्यावग्मवैहोहैपाहरवार॥ देषीसेठकस्त्रामपाने॥ ऊठीवैठेसवग्मो
पषीराने॥ घरीपेपुवैछोटवारा॥ देष्योरूपचोरमोमारा॥ हीतकेमै
हजूरीजेजानै॥ ग्मरजकरीराजाकवानै॥ तवराजाजीपमैकहग्मापो
नगरसेठकपासीबूलापो॥ पूछनलगेराजसुकमा रा॥ कहोसेठजोया
नलमारा॥

श्रीपतीचोरीछिद्रमाही॥ अरजकरीकरजोरेतवही॥ जीहीवीधीचोरवू
ल्यापत्रपोहै॥ तीहिवीधीचोरीमालगपोहै॥ जीहीवीधीचोरजरवावस्तु 19
लावै॥ चोरीकरीचोरानदीजावै॥ त्योराजामनीरामसुकह्योजोरक
रजोरी॥ अवन्यावहोयसोमही॥ पहीअरजहैमोर॥ मनीरामतिवावे
॥ यहचोरीयौंकहनोसदेसा॥ सुनीसवेमनीरामनरेसा॥ अवराजावो
लोजीपन्चाहे॥ कहोसेठवहचोरकाहाहै॥ लावोवाहीहजूरीहमारे॥ अ
वमैकरीहुन्यायतुम्हारे॥ सुनतसेठअवचोरबुलापो॥ डरतोलीसुअप
हजूरीलीआपो॥ देवीराजाकसीमनवापो॥ घडोरहलोसामरहसापो
चोररूपनिरपखनलागे॥ अपनोरूपदृष्योवहेआगे॥ अवराजाअ
पनोअवराजाअपनोमनपेष्यो॥ ऐसोचोरकहुकदहेष्यो॥...॥

पूछनलागे अरमुनि चोरा॥ नाव कहा कीत गाव है तेरा॥ साच्च वोधी
तू कोन है कैसो चोरी लीन॥ मन कीमन वहे चौरको अक अव ही चोरी
20 कीन॥ वीकरमजीत उवाचे॥ साचो चोर राज मैं आगो॥ साचे मन
मू बोलन लागे॥ मुनी राजा हम दुषमे पागे॥ दुषमें मार कि रत हैमना
गे॥ काहा गाव कौन षवताउ॥ जरमीर लो दुषमे दुषपाउ॥ अवनत
कहम नहीं देष्यो अपा॥ कैसो चोर होत किहे रूपा॥ कनो करी परघर
घात लगावे कैसे माल अरावे है वहे॥ कैसो होत विवड छाती॥ कैसे
लेत अमे री राती॥ मै तो इतो वजने उन माना॥ देष्यो नको सुण्यो
नहीकाना॥ अव संकट मे रजीव छापो॥ मोही घेरी पैल नगरी आपो॥
मुनो अप पहसाच्च है जो मानो परवान॥ पुहन नगरी मैं आपमैं नपो चोर
है मान॥

गोन्द नहीजुकहाजपोकौमोईीनमोहारगपोहै॥मोकतोईीनहीकौहे
म्हान्यो॥नवमेईीनकेमूपतेजानी॥नजानैकीतमावलागोहै॥ 21
कौनचोरघोआपजपोहौ॥काहुचोरकरीहैचोरी॥काहुकूपकरनो
चदजोरी॥मसोन्पावलोपपहनगरी॥मलीगुडकेपैजापुहैचीपरी॥तो
मवराजाकाहावसमेरो॥कितोकहुकोमुनैनचोरी कोधिकुपमेमग
न्हीहै॥केपपछीहरीनावमहीलै॥नाहमुन्चोरीमोहीलागाई॥मवको
करोतमारीधजइी॥हुरीकाहाहौहैमवैपाचोरीमेकाज॥देवहीसदी
तैनावपह॥महीनकरीहैराज॥मनीरामऊवाचै॥हीतनीमकैचो
रसीवानी॥मुनीमवैराजाममानी॥पैहैवैजीपमैदपाउपजाई॥

कीरीपाछे उलटीवूधी आई॥ ताछीन भोरही रंगत्नमाही॥ रातेडी रंग
नमोह चकाई॥ भातिही किरोधमनी रामकीपोहे॥ चोरहै तासा दीखा
पुरीपोहे॥ मवैवातमनतै बिसराई॥ पाकैसीरचोरी रही॥ हुक्म
कीपेचोरहै लै जावो॥ हावपावचोरंगकरावो॥ इीतनोहुकमपापुवो
होरंगा॥ चोरहै पकरीकीपेचोरंगा॥ मैसोहे मत्नावखवनपो॥ सही
न्यावन्हीनपोजूतनको॥ होनहारमैसी नदीद्वादीमटीगुनपेहे॥
हावपावकरवापकैचोरंगजानतोग्रेहे॥ अथ पंचमो अध्याय चौरी
करनेमुचोरंग होवेमोप्रसंगसंपूरणं॥ अथ तेलीकोप्रसंगवरनन
॥ हैचोरंगपरनोमधमाही॥ हावपावीनकाहावसरी॥ अनीद्वपहु

क्रीपाजेवाडी ॥ कवमधरमजी तवै हैं नाडी ॥ केही नाती काहीमनै

वमेघ ॥ जोजीपुनीमरै कनौ दुष देषै ॥ दुषतो वहोत्नुमारै मरीरा ॥ के

मे मारीजीजात हे धीरा ॥ जो तुमरे ववीरो धन करत ॥ काहे कू पररे

मानि करत ॥ कनौ तडी ञ्माव नीञ्चोरठे राहोते ॥ ऐसो घोर माहादु

षपाते ॥ करी ञ्मवगमा देवनाकी ही ॥ ततनपुन्चूपी मूषवात कहीही

ताडोपफात्र मुह देषीन रसै ॥ जिहैहीसावनाञ्चूगति न दसा ॥ ताते

तुमनो वसकाहाकाहाक रमनधीर ॥ होनहार जो जीवहनो म

होतुमारै सरीर ॥ परनोराज मधमाहीपूपार ॥ कोडीनडीनकी

वीरनीहौर ॥ जोनारीन रखामधञ्माके ॥ डीनाकू देषीषरै कैहैजावे ॥

23

नीचजातीजोउमयअमावै॥वोवीचारीबातकहै जावे॥सबुीबात
24 मुनैकोलोकाहिये॥जीहीविधीरवसहायससहीहै॥यनीछुीमवघर
मनमायो॥यहदुखनैकनअआऐअायो॥अवतयजीयमैसाच
अवाई॥काहागयोमतमेरोआई॥अैसैकहीदुखमैदुखदेहै॥मी
तोकहोयुयहहोतीवत्ताहै॥वीगडीगईहीरासीदेही॥कहीमबूनीजी
युअपनैही॥हाथपायविनदेहनीदयवीगरगईवसनाहि॥परे
डगरमवसअयेकीयोमबूरजियमाही॥देवनाकसवनगरजूराने॥
येकअावतयेमुजातपरागे॥औरसुन्योयेहुतेलीध्यायो॥धानी
धोगीवहैअजीअायो॥देखैबोरकमाहादुखीहै॥यायेजीयमैदयासुवी
हे॥

अब पहलवीकिमनहोऊी ॥ जै अबबरजीमकेव्हीकोरी ॥ तोमैपाही भै
रै थै नाझू ॥ भी मैं माती जाचंतारापू ॥ के है वातमनमे पछीतावै ॥ वाते
व्हीप्ररहनोनजावै ॥ चल्लीगपोडमोफीराजाऊी ॥ अरजकराडी है अब
वासी ॥ नैक हुक्म अब तुमै पाऊी ॥ वाकू लै अपनै घर जाऊी ॥ होहो
हो ॥ चौरगमाफैवाब अब हुकमलेपुजोठीय ॥ अपनै घरीलेजापयुंके
रू जावतानीक ॥ पहतेल्लीयुं देपापरीहै ॥ राजासु पह अरज करीहै ॥ रा
जा हुकम तेल्लीक गेज्जो ॥ जल्लीवातवाकू अबले जा ॥ देवी कहुप
ह जानन पावै ॥ फीरी पाछै तेरै भीर आवै ॥ जै पहतेरेघर सु पहजैहै ॥
पापोहालमोतेरोहोहो ॥ सुनीतेल्लीतमल्लीमककरीहै ॥ सदारे है पाही
नागरी है ॥

3

चोरपरनेचोरंगावीनपगजेहैतिसवैद्यंगा॥तोपनौ... ससो
26 ही॥कोकरीटलीज्यापकवैही॥प्रथमतोजावन्हीधरिहुवडोमहाप
तापरीजोदीजेयाहीतोकरिहुआपजवाव॥हुप्रमपापमनजकोहु
लपसा॥तेलीआपचोरचुपासा॥ताधीनबाकुगोदउपापो॥तेली
पेचलओमपनेघरआपो॥पानपानकोसवसुपदीनो॥नीधीला
तीजावताकीनो॥कीतेपदोसनमसेसुषमनमे॥मैहैतवेतेली
मेघरमे॥जोकछुतेलीमुवनिआणी॥घरमकाजचोरहैसुपदला
पो॥जमीदीषतदपालगारी॥तैसेलाबोघरमाहीबसोहीसुषदी
पोसरीसा॥जहानमीपोवोहोविधीसुहीरा॥वडोघरमैतेलीजसचीना॥

धनि दई पाकृपधी कीना ॥दोहा॥ पा दुष मे कोऊ नही मगो जपो है आप ॥
पेक मगी नहीं जपो पही जपो निज आप ॥ श्रीभगवानउवाच ॥ वीके मम
नजके दीन आपु ॥ अबतनी सुहमी बतराए ॥ सुनी तनी पुह देस
तमारै ॥ हम परदेसी दुष कै मारे ॥ ऐसो दुष मेरे जी पुहो ऊी ॥ मेरे मगो
जपो नही कोऊी ॥ पा दुष मे ऐसो सुष मानो ॥ पे मगगो तो ही कू जानपो
ऐसो जतन चीपो वो होतेरा ॥ तातें तू आडी नी जा मेरा ॥ तेरे घरी ऐसो
सुष पापो ॥ मै जान अपने घरी आपो ॥ पातै चेष मे मरमो नु ॥ जलीपु
रावैगे अब तो सु ॥ सदा दुषी हो रहै न कोई ॥ जे तो दुष जे तो सुष होरी
॥दोहा॥ सुनी नाडी भ देस मे दुष पो मगो न कोई ॥ पर दुष मै न रजो परे दुष पो ॥

सरोगकोय॥ परदुषमैनरजोपरैवोहीसगोनरहोय॥ सुषकौ... पैसव
होयजावै॥ दुषमैपासीकोइनहीआवै॥ जीनयहसवसंसाररच्याये॥
28 दुषसुषरूपकीयेहोउआइ॥ सदावरोवरीदीनाइसंसार॥ जातनउग
दुषेपरवारा॥ जाक्रीपूरनहोतकमाइ॥ ताकीवातकहीनहीजाइ॥ तोम
जीवायेतनमाही॥ येयनयेयहोतदुषघाइ॥ तातैसुनीआइप्रमानी॥
जोनरहोतआतमाग्यानी॥ आपनोसोजीयसवयोचाहे॥ दुषसुष
मैमीतनीचवैसदाहै॥ अवरनोआपनोसरीजानै॥ वडोधरमअपण
नोजीआनै॥ दोहा॥ सोनरयहसंसारमैधरमवढावैआय॥ प्रमेसुर
यहवातमैसुषमानैआयीआय॥ यातैहैग्यानीजीयतैरो॥ आनीसयाणो
हैदुषमेरो॥

पेप्रदीनापहदुषजातीरहगो॥श्रीप्रमसूरनलीप्ररोगो॥कवहुपेसुष
29 हुतनहैहै॥वातकैहैनकपहरेहजेहै॥तलीसुपहवातसुनाइ॥वी
क्रमसेनमदासुषदाइ॥ग्मवतलीवोवोसुनीरेजाइ॥तमपरी
चलवोफीरनोनहीजाइ॥सुनोवातइोपकाजहमारे॥जैसुनीइमेज
वसनतीहारे॥हैग्मालेचलगेजीवधामो॥वैठीपाटीपरीधानीहा
मो॥जैजीपग्माणेतोकरिजाइ॥नातरवैठीरहनोपहठाइ॥दोहा
मैनाइहसीमेकहलीवरीनमानवात॥वैठनकोग्मावेचहेनवको
फीरनोनहीजात॥वीसरमतीवाचो॥तलीनेपलवातहसीहे॥राजा
पेजीपमाहीवसीहे॥ग्मपनेमनमेकैहैतनसा॥कोनहतोमेरोपसा

जो यह तेली हू नही आतो ॥ पर नो पर नो मे रो जीय जातो ॥ ये न
जी यकर करतारा ॥ राख्यो है इन जीव हमारा ॥ जब मुमै प्राण ... आपो
30 लूण पाणी मे प्राण आपो ॥ ताते यह जो कै है सो करीये ॥ सुनी जीय
प्रसंग स्मरण करीये ॥ आपो लूण पानी को होत नो ॥ प्राको कहनो जातन्ही
फेरनो ॥ हसी राजा अपनो मन बोल्यो ॥ वही बात तेली सुवो क्यो
॥ दोहा ॥ भली बात मो सु कही मे जो कै है तजत तो ही ॥ सो मो जीय मे ब्वे
है तहो वही सुनाई मोही ॥ अब को लूपरी वैठी गयो है ॥ धानी हाय
न राज आप ॥ हायत जात वेल सु धानी ॥ फीरी त जात तेली सीस ।
नी ॥ कवहु धानी तेली सी नरही ॥ जायो मीठो तेल नीसर हीः ॥

कछुसुहावतनहीनरनारी॥ कातबीलापमहाढुषपाय॥ ऊमगीऊम
गीआसुअरवावै॥ सुनोनपोवरेसऊजेनो॥ ऐप्रतीबीनढु पोकम
घेरो॥ देषोदेष्योजानकीनहीपै॥ दुषीहोतवमनाहीकछु॥ तदासुषी
दुषकाहुनजान्यो॥ अवदुषीसुषसबेंभूलानो॥ रह्योनगपोनगर
मैमाही॥ सेवछोडीपै घरवाहरजाही॥ व्याकुलहोकरीसवें अंदेसा॥
कोनधनीअवधारंदेसा॥ जापुत्नीपेन्नीपघेरीरहेहे॥ सवकराजा
वचनकहेहैः॥ ऊलटीजाहुअपनेघरानिहचेगानहुआजी॥ जैव
देसहमजीपुवन्योफीरिकिरीहुपहराज॥ इतीतीरतीपोप्रसंगसंपू
रा॥ अथवीछिसपोकसदवरनन॥ सवयोमनसंतोषकरापो॥ सेनो
मुरोजीनपाहीनगरकै॥ कोऊनसंगल्लीपोदुषमाही:॥ ॥ राम राम 31

जाननन्ही पारोगकीजेषु॥ पहम तीहोगईराजमुजागे॥ पूहेसीबातमु
षवोलनन्लागे॥ तपसवनैंम्मपने मनजाना॥ नैहैंचैसजा नमुही
32 जाना॥ पहवातकेत्नीघरघरमें॥ बछतरोमराजान्चीतनरमे:॥
ताछीनराजाछोडीघरहीने॥ नीमुलजानकीमनमाकीनी॥ न्मापही
न्मापन्मोरन्हीकोई॥ दीसरीमनीन्चरपीफलहोरी॥ राजपहाकोमवमुष
माजा॥ छोडीमामुषकहयोकहीकाजा॥ रोवतपूचमातरणवासा॥ स
वेनगरकीलोगउदासा॥ न्चलेवीदसराजान्मकवाणे॥ नीमुलीनगर
केवाहरीन्माए॥ दोहा॥ देवसंनीअहीमही तेतनदुषवछेवीसंसी॥ राजरछ
डीन्मवहीन्चलेवीन्मामसैनवीसा॥ नपीनगरसवउदासतहीवारी॥

...रेताजुग पोहो पावत सोई ॥ दुआपर मैं चंपावती छाई ॥ कहैत चार

मुकल जुगमाही ॥ सुवी राजा नगरी मैं पैठो ॥ बीच बजार हाटी मैं बै 33

ठो ॥ श्रीपती सेठ नगर सुष पावै ॥ ताही पीन हहाटी कहावै ॥ चंपावती

नगरी में ही पोहोच्ये आपवी ॥ नगर सेठ की हाटी मैं बैठे जाप नरेस ॥

कीनो आनी हाटी मैं डेरा ॥ कटी रैनी फीरी आयो सवेरा ॥ पीनी उदास

पीनी धीरज धरा ही ॥ पीन दुवदी पीसोच मैं परी ही ॥ मुनीजी पुछुसमे

कोन सगो है ॥ पहवी दिस मैं काको को है ॥ जैसे कैहै पै जीप समझावै ॥

होनहार पेष ओर सुनावे ॥ सो मही हरी सुनो छवी पै से ॥ सुधर धाम दु

की रहे न पैसे ॥ ता उपरी मंदर पेष न्यारी ॥ बीच मात्र बीच्या मसनमी ॥

आपहीआपचलेमगजाही॥ अतीदुखऋपोवनमैनारी॥ वहीपीय।
34 पीऊ[illegible]कारी॥ कोनमंजोगदीयोकरतारा॥ आपनेचीतमेकरत
वीचारा॥ चलेजातहरेहरेही॥ आवतजातमीकेनदेहे॥ तवजीयमे
गीआनवीचारी॥ ऐसेदीनहीलगेहमारे॥ ऐसेमोहीनआवे अवजा
मुकदुखतराए॥ कानकरोंन्हीबातकीदेखतमोतनआए॥ केतेमुदी
नवीतमगमाही॥ चलतजातकछुनाहीसुहाही॥ आछपेहैरपी
ऊनदुखहोई॥ नैमनचैनपऊंन्हीकोई॥ ऐकदीनाचलतसाऊहो
पआई॥ ईकनगरीऊजलदरसाई॥ सुनोबातपहआदीनगरहे
आरुजगमेनामचतुरहे॥ मलजगमेइरावती होई॥॰॥९

जैसोतेजप्रतापछ्पोहो॥रूपवंतजैसोदिषीजोहै॥काहागपोवोतजअस

ही॥जोरहीरूपदीषानतदेही॥दोहा॥कैसेरूपउीजासहै पैसीनूषीजसा

री॥होनहारकेज्जेवतोकैसीवडीउपाधी॥कैहीजतनकीपेतीहैवैरे॥

रीतउीतपेअनपुवोहोतोरे॥चहुवोरफीरीकीरीसबठारी॥जपनोले

मवहोजाहातांई॥मीटेनरोगनैकतनराजा॥कोनउीपावकोअब

काजा॥वडे वडेनरसैनामसपाने॥मवैकोनगरपेत्जोगजरातो॥

करउीपावन्हीठैहेरावे॥काहुकेमसबातनआवे॥हुपतमवेराजन

नकीरीए॥[illegible]न्हीचवैकोनवीधीकरएी॥दीसरीकरीवरीमनक

वा॥कोउीनजानतहैपूत्तोवा॥जातहेपंडीतपूलकाजा॥होनहारउीलटी

वृषीराजा॥दोहा॥केबीपजानतकेसत्ताकेहैपंडीतमनदेव॥अोरकोई

तीनसरीवधीहीनहेवजाई॥रोगवडोराजातनमाही॥वीवधीजतनअनेक

ककरापि॥काहाकाहासेवैदववापे॥घटैनरोगरतीनरीउनो॥पथनजा

नदीनदीनहीदुनो॥अवमोचडीणोहोमनमे॥होनहारहोजातसछीन

मै॥दोहा॥कास्कछुहोहेकछुकितोकरोमनमुष॥होनहारआवतजवही

त्रुटीजाहीसववधीर॥गएनीपूनअोरसवकीतने॥जीतलोगराजाघरहोही

आतीहीमोचनपोसवकोही॥जीतनगरमेजेनरनारी॥जीवजंतहेसुष

अमीकारी॥जीनप्रतापतेसवसुषअमथीकासी॥जीनप्रतापतसुषअसुष

करते॥तेलसीडीहीचरीअकडअते॥पीवधीभातीचीताउपजावे॥

दडीदरीकरीसेवमनावे॥कैसेहेपेराजइदगारो॥दीपछीनमेकैसेहोहारे॥

36

...रमारीपर। ावस्तु: पी ए प्रवील म...मोधकी: जनमजनम...

प्रचोगवे: ।ापा।।च्यान्चर व्लीकोपु: चेतनमुचीत[illegible]पकैः

...ाजन गमारीतोपु: वीरघनपोवीरपु तव्ली [illegible]ा छछ्छीन

छीन ईर्ल: छीज छैरम पोपता: [illegible]तमीकै गीपेह: मनेरङ

रीकध्दु सं[illegible]को।।ा जजाजनमनमनेपु: लपन्वोराजी मैरको:

डीहीवीघी जनमनेमनेपु: वीरधापोजेनरघरम[illegible]।।ानाग दप्ता

प्रलज्ञ्छतनेमेग: वोतोताजतनकु रव्वपञ्चमरो: तोऊनमेन

च्याकै संगः[illegible]मोचारोकोनोरको: ।।र्द।

॥श्री॥

॥वारषडीककाषीषीषतो॥ककाकडीकछु कामः घरमलेते ओर्हे।

38 मधुरोः करीसुमरणकैनामः भजीभगवंतनवीसरडोः॥४॥ षष। 38

षीमकरीरोसः करमकुमायाभमापणाः कोईपनहीजे होसः

वीनभूगत्या छुटे नहीः॥२॥गगगागरभनीषारीः गरभनतणा दु

षपाईकरीः मकेरे ऊंदरमूजारीः भोधे मूषभुवतर लेः

॥आघघाघरकोलोगः सुवारषमीलनोकुरंवसवः दुषपीड।

होयपुरोगः बारीनके कोईवावएः॥जानगानेहनीभारीः

आपने मनमें सोचत सुन्दरी ॥ कोन बुधी राजा पी उलटी ॥ ऐसे सबू पी
वान है नारी ॥ कोन बात मूषत के है जारी ॥ अनर्थ उत सब ऊ मुष दाता ॥ 39
ऐसे से हे नृपाल की घाता ॥ कारन को न दई दाता रा ॥ अंतरजामी जो न कमा
पारा ॥ पेमव देव सबे प्रत पाल्ना ॥ मेव त ताही महारी पालः ॥ समझ्को
हि दीन देव मरम सुः ॥ केवन संदेह जू पूछत हम सुः ॥ आपने मनमें सोच
हीरानो ॥ होनहार पै गेवन जान्यो ॥ दोहे ॥ कदील वचन मुनी राज पेप
डीत सोच संदेह ॥ ग्यान वृत हो पूछी पूछा कवन संदेह ॥ मोची सोच की
मनमें पछी तापो ॥ अब राजा सु वचन सुनायो ॥ दीनदीन महा राजन्रम
वाच्यो ॥ ऐसी बातन मूषते काच्यो ॥ ऐसे से वचन फेरी जीन न माना ॥

अमवपु पंडीतंसः ॥ बीस्कजीताकै हैत प्रवीना मुनी पंडीत मेरहैन
कीना: ॥ नवै ग्रसैहै रूपसवै डीसपाइी: ॥ सोहमअपक्रमेन रसमाई:
40
ग्यानसुनावुजमैत्तमनेस्रे: ॥ जैसे हमअपनेचीतव्यैसे: ॥ मावको
होअप्रननही कोइी: ॥ सवै पैसे स्व नहीकोइी: ॥ अंतरडीनमेरनी नहीकोरी:
अंतरपियुसुनापसुहोइी: ॥ पुहसंदेह पहीमनमेरै: ॥ ओरदेवुसवरूप
ऊजैरे ॥ पेपुमनीषिदेवजर्पैसो डीनपोरूपमीलओन्हीवै सो ॥ डीप्रभावपी
पीसरवषानै ॥ रूपलषैमनअमसप्रतमानै ॥ दोहा ॥ ओरदेवसवदीवहेरा
जातरूपरमाव ॥ पेपुमनीषिदेवकीदीसटीमाहानीकराव ॥ पंडीतश्री
नान्हो ॥ कृष्णीनन्दनराजाश्रीबानी ॥ मुनीपडीतअपठेमनजानी ॥

नी... ...चास्न ...उनिर्वः॥ पेकहो... ...गुनजानेः॥ सव

नवग्रहै पीच स्वाच्वली सपीः॥ पूछत रागाहा ... सव

नव महै जैसे कोहोवलवंताः॥ सवनोगसहै ये गुन तुम जानोः॥ 41

पेकपेपुके गेदवपानोः॥ कोनवडोवेचवेत सवनतेः॥ पेलवी

धीसवपे गुनकहुचीनीतेः॥ दोहा॥ मोमनपरमसंदेह है सवहु

मीटावोसंततः॥ पेनोग्रहै हमकवनसेरसमाहाबलवंतः॥

मुनिहोराजा सवत मेहु सुनाउः॥ तुमको मनसंदेह मीटाउ

ः॥ जीहीवीधी सगमाकरीज सूपतेः॥ त्यो सवपे गुनवरनत सु

पतेः॥

ऽमवपुं पेडीतेयस: ॥ वा: ॥ ऽमपने ऽमपने वाले ... ॥ ०॥

वल्लमवल्लकाकुकलोको: ॥ जीनजमा तेजा हेत फल ऽवै: ॥

42 प्रमुन्नावहे ऽमपनो ऽमपन्ह: ॥ शीतरो ऽमारु वीच्चवनोहे :मपचीत

चाहीमुनोनीरपनेवा: ॥ कैहैत मे हमवगमग्रैहे देवा: ॥

मूत्रदीपपेपुमातकाहावे: ॥ जवै हेवीशीपुमारलपावे: ॥

पेकमसीरपेपुतनहोशि: ॥ पे ऊनपेपुमन्नावुनहोशी: ॥

दीला तैमै पेसवस्वहै ऽमंतरपेपुमन्नाव: ॥ ऽमवडीनपेर

नकैहैतहुन्पारूपजतापु: ॥ शीतीभवमो ऽमपापु: ॥ ॥ ५

केहैं ता अब वे ईजे मैं गुन का जा:॥ इथ याथे सब ही गुन जाने:॥ सब 43
संसार आन ईन मानै:॥ ईन थी आनी मानी पग देई:॥ सब
अमुरन पे गुर है मुही:॥ जा दीन राजा बली गे दुवारै:॥ श्री वावन
जी है पग धारै:॥ तीन पे छल न बल मवं ईन पाये:॥ वचन कपन
मै पेहीं आपे:॥ की पा करी श्री वावन जीनै:॥ बली राजा कू वचन
जू दीनो:॥ कहनो धरम तेरो मत न होई:॥ औसी जाती करै न्ही को
ई:॥ अब तो कू नीती दरसन है है:॥ चारी मास तेरे औहे रहै हैं:॥
दोहा॥ मुक्त देव थी आन पट मान तजो संसार:॥ अब ईन थी सेवा य
इ पावत न ठवी सतार:॥ अथ मनी सिर देव जी:॥ अब गुन और

कैहै तसुनी गमान॥ सपत रवंडे जैवु वषानी॥ [illegible]सनी अ[illegible]
वषाडौ॥ डीनषे गुन मोनो तसुनाडौ॥ जोठ्व वसन तनमाही
44 सुहवै॥ नील्हैही आनपन आवै॥ अमैसे रवे फीरतशीनजे
पै॥ हीसटी करू रनसव करदेषै॥ जो फीरीरा करू रहैजावै॥
जाही पूरव की रासी तजावै॥ तो करूरी कलपापत मोशी॥ जवव्ज
गीहीसरी कपान्ही होशी॥ जाडी सीधक पाकी फीरही॥ ताही
मनोरथ पूरन करीही॥ जो करू तो कसटही पावै॥ जो सुहीसटी
तो सुषवरसावै॥ दोहा॥ सहासनी ध्रवे जरू अमैसे (नजी) करूरी॥ जीन
करूरी तहुष छैहै तजीन सुहीसटी हुष हुरी॥ अथ राहदेवजी॥

अमधुमनीभ्रष्यअीकीनीदरापुरीविकौवाराजाक्कसरहोपवेषोमयो
मवरननः॥अपपडीतउवाअवैः॥कहेजेहनवगमैंहेषेमवहीः॥पेषुपे
ककेगुनफलअमावुहीः॥अैमेहेनवगमैंहेषेमेवाः॥जानतजोनरषु 45
रतनपेदाः॥जोजोनवुतमवनकजोहेः॥मंदामुषीहोरेहैतमपवेहेः॥
जातैवरनवरनसमअपोः॥न्यारोनारोरूपवतापोः॥अैमेहेन
वदेषनरसोः॥अपनेअपनेगुनप्रेअमाः॥जैसेपूछीआपूजमो
हीः॥तैसेहीवरनेसबकोईः॥हेसवपेषुअैनन्हीआनीपेः॥
अपनेमनतेपेषुहीगीनिपिः॥रत्तीनअंनदीनमेसोहेः॥अैसार
पेषुमुआपजरदोहेः॥दोहा॥नवमैंहेनेससवैकल्लोलोराजागुनमाहीः॥

अब
तुमरे मनमें रहे हो जीओ क्रअब हु नाहीः ॥ अथ वो[illegible] म ठी नाम्वैः
वीक्रम जीत मुनो सब तेताः ॥ अपने देह मीट तमें रहोः ॥ अब पंडीत
46 मुखो कैवानीः ॥ जबी बूझी तुम मनै पेह आनीः ॥ दीन देवन को गुन
हम जान्योः ॥ तुम अनाव उर मन हु आमान्योः ॥ जबी जाती हम
कुमम आपोः ॥ मेने नीदपन को हम पापोः ॥ जो मैं देह हमो मन नामे
रैः ॥ सो मीटी गपो अब पुछो रेः ॥ ओर पेम मदेह न पोहेः ॥ अब नही
अब मन मैं जर न पोहेः ॥ सो अब सुनी जो पंडीत बेसाः ॥ पुहु मीटा वो
मन की मंसा ॥ जैसे पहमें देह जतावोः ॥ वे सैही अब पाही मीया वो ॥
दोहा ॥ पेपु मीटो पेपु आप है नपो जर मन नामें संसः ॥ वे सै पाही मीयाव हो ॥

कजपुगमच्छ्रूमनसवतनपैर:॥चपीवीवामच ... 47

र:॥मेगलदेवनामईनकोहै:॥सेवततायडीमे ... है.॥

जैपैधानयरीजोनरईनको:॥मनच्चीतल्लापुजूउीनकेगुन

कर:॥करतन्कपावाकृतववैही:॥मपनेसेवगकरफलदेहै:॥

जितोनावउीनदेवगुमाई॥तेसोहीफलदेतनवाई:॥६

हा॥मसेमेगलदेवहै:॥मेगलीपकरीहार:॥इतन्कपाकरीता

हीयरीनीतीनीतमेगलचार:॥मपवूयदेवा॥तीरतीप

देवकीवूघीवघान:॥नातीनातीउीनकेगुनजान:॥मप

नेगुरतेमेसुनीमापे:॥वैसैहीमवतरमेसुनापे.॥॥६॥

॥ नमर मनमेंरहै ... सैः
नम वोयहां सें तत्व ऊपजावेः॥ नार नमहाँ जानो सोईः॥
वीनपाती ऊनिपुँ गुनहोइः॥ नमसें दैन गइनीकधार्मः॥ सोनर
48 वमेगुनफलपावेः॥ तातें जोनर नवतमदाहीः॥ वैनमापनो
सेवगकरीन्चाहैः॥ दोहा सीतलतनदीमटीहैः॥ सीतलगुर
नकेसेवः॥ जोनरसीतलमुषचवैहै सीतलमूषकुमेनः॥
नमपमेगलसेव॥ कहैं सेवदोपयुगुनजेमेः॥ मुनो नमवैतीजे
गुन नमसेः॥ भूमीवासर सेवजताऊः॥ हीनयुगुनकोजे ह
मुनाऊः॥ भूमीपूजवें सेवकाहावेः॥ लालवमनमुहेतवकावे
:॥

ममनगुल... सेवोलू:॥ वहीमातीमनकीग्रीहमोलू:॥
कै है तना... ः॥ जीनकलपापोतेवाजागे:॥ बूध
कै है तनाम... ो:॥ जीनकलपापोतेव्यजागे:॥ ... जेसोना
हुवमेचतूरकाहापे:॥ पहीनामहीनकोकहैमापे:॥ जेसोना
मसंघहीनाहोई:॥ तैसोहेतनवैनरजोई:॥ करतनामताहीन
कोध्यावै:॥ हीकेतहुवैकरीसीसनखावै:॥ कीरपाहीसटीपीता
परीकरिहै:॥ दुषहरीकेसुषमैमनधरीहै:॥ दोहा॥ बूधेसनदीवू
धीषुहसीयकरोमानकाम:॥ जीनरसीमनबापहै:॥ हीनकमाहो
जाम:॥ अथगुरदेव॥ पंचमनतेहसुनोजूपाला:॥ अवहीन

49

कै ग्यन कै है तरी मालाः ॥ वडो नाम सग्यरदेवनका... जथा
वडोइीनकोहैः ॥ सब देवनके पूज्य का होवैः ॥ सब कै ग्यरपा तैम
50 रमावैः ॥ तातै वडे सब वनतै कहीपेः ॥ नमो नमो कर जोरै रही
पेः ॥ जो नर पूजत है नितीउनकः ॥ पावत मोन रइीतन गुन
कः ॥ प्रथम पूरान समगारा माहीः ॥ होत ग्यान सवको नर ताहीः ॥
नमोर प्रवीन वीदनामै होइीः ॥ वडी वूधी पावत नर सोइीः ॥ है अन
गान वडे सुवदाताः ॥ सो से है ग्यरदेव वीधाताः ॥ दोहा वडे देव
ग्यरदे पूहेः ॥ सब देवन गूरहो पूः ॥ नवै जन नर पावहीतो नपदेवो
नरकोपः ॥ सफल सु करदेव ॥ सुक देवना वसुनी राजाः ॥

रहीवारनदेवकहु अवहीः ॥ मुनीराजापेड्वरनतअवहीः ॥ रा
नामकैहै तहीनपेगुनजेमेः ॥ रूपवषानअचरजपेमेः ॥ रवीसीस
हदेवतानामधरेहैः ॥ बीनाधरहीजगमाहीकीरेहैः ॥ अैसेरूपमु
देवजाहालगधावैः ॥ फेअपनीछपानूगावैः ॥ जोकोईपूजनहे
नोनीरपग्मानीः ॥ वडेदेवहैसवजगजानीः ॥ जाकीरासीकहु
मुषकाजैः ॥ कवहुंअवीतवतहीदुषनाजैः ॥ हसतकरतजापे
रीतनआवैः ॥ तोकछूफलदेतसीहावैः ॥ दोहा ॥ बीनाधरकेडीपु
धरीफेराः ॥ मोनरहसतदेपीधनछेराः ॥ जोनरपूजनहेडीनैदुषनहीआवत
देवहै ॥ कीरतलोयमेसारः ॥ दुनीः ॥

अथकेतस्वता:॥ अप्राठरेवु छैरूपनवीनं:॥ नप:रेन्यारे गुनपुरी
हीनं:॥ जोनप्रानमोपकेतैं आपों:॥ मोनरेसअवत्रमैंसुनापै:॥
52 मपतीरूपनेहगुनवरनें:॥ पेहोपरूपवरनहै करनें:॥ तामैं रूपपेउ
कैहै हीनो:॥ पेपुरूपअवमूनोगुनीनं:॥ केतस्वताहुपेहरूपा:॥ पे
हीनामगुनजानोम्रूपा:॥ हैमरूपघरहीपे धारे:॥ वीनासीमघररहे
मवारें:॥ पेमरेवकी थीपरडोलें:॥ देपतफीरैमवैमनतोवें:॥ प्रात
माननताईनकीकोई:॥ सुषीहोपधनपावेसोली:॥ दोहा॥ राहकेतदोपहे
वहै:॥ अचीरजषीहोपरूप:॥ वीनासीमईपघरना:॥ गुनसमग्राजो
रूप:॥ ईतीहुतीजोअध्याय॥ अथपनोव मैहै सुना पश्नप्रामसंपूरणं:॥

बातमें स्वीच्च मोठोरन्नी पकेस्त ॥ पे मुठो देषताकाह। वन्चोन्वीं न
मोहस ॥ देषीचीन च हुदीस छाजे ॥ सुहर सुहर देषवीराजे ॥ सवैवी
लो पउरमनमें चाहनो ॥ जो जिहन्नाव सुताहीसीराहनो ॥ हेसवरेष 53
वीच्चनसवारे ॥ धनीवे पूरसवनावनहारे ॥ पैसवकीकेहैं वहव्जा
वे ॥ हेसछ्वीककोवनपावे ॥ जो छवीन्नावहेसनेपापो ॥ मोछ्वीजो
स्वरीचनहीआपो ॥ फेरीफीरी देषतहेस छ्वीहे ॥ वातमेंस्वोपफ
वीहे ॥ ओरसुनोपचरंगवडीहे ॥ नघन्नतीवरीपाग्नीगडीहे ॥
ताहीन्नवे सवरागरहे
तापेसुउनाहारधरोहे ×कीरोरीओहार ॥ धडीपेसुनीलीतवहीहे ॥
नहीतपारीनोजनकीहे ॥ नगरसेठ नव पाल्रसजापे ॥
× दोहा ॥ देषतहेसनारीसछवी छुतीसुउतनार नगर सेठतीयपीयहे

श्रीपतीसिंहताअंचछीताछे ॥ सौहैजससु नापजोनआछे ॥ दषजनजं

वैठेवहराइी ॥ दीनअरीदीसदीआनीदराइी ॥ देषीदीवीदीनरूपकौ

[illegible]

54 चतसाहजेदेह ॥ ताछीनरूपलसोदीनकोहै ॥ मनमैकैहैतादहीपहे

कोहै ॥ फीरीकीरीदेषीवीच्चारतसोई ॥ पहतोजोतीमहैनरकोई ॥

जोतीमघरको मोहीजनापो ॥ कछुदषतैघरतजीआपो ॥ ताछीनदी

नकबोलपठापो ॥ अपनैपासीलआपवैठापो ॥ अतिआदरकीनो

हैसुषतै ॥ औरअनेदनहीपूछौसुषतै ॥ वीक्रमजीतराजवडभागे ॥

वामेहरकदेषनलागे ॥ ठोरठोरचीत्रामसहीहै ॥ सुषपाणेमन

देषतहीहै ॥ पेसुठोरमेअहअतीसोहै ॥ चीत्रहसपेकसुघडवनोहै ॥

55

ननानिकरपरमाह: पान्नू माधीनमोकवाः मीरगाम्नुए ५५०

पोहेमाए ननकुद्दुपसहेः ॥१०॥ ८टाटकेनीठेपः मीवसराडीथ।

मीमोः कारीजमारे मनेपः कापरहोपुमतीजगमणेः ॥११॥ ८८।

चेरससमाली: घरनगपेवासो जाहा: ३कोनेपणे तीबारः मवच

तगकघुसकनपरो ॥१२॥ ऽऽऽऽ कोनवोवीः मागदघाडी

मधरमघाः वोहोनद्वुवोहोपः पेहवारमावेकठनीः ॥१३॥ स

ठठठीगजीमजापः चूगीजपापरवीराः तोमुगामूष मागेधायः

तोधापापऽ नमेगपरीः ॥१४॥ ८८८८८ नपेकोपः मागोमा

वैरनव्याणै जीवका:॥९॥तत।
श्रीराग: कीजमारीखलोप:

ससार: जपतप करीकद्धु नामीक्या: बोलीतव्वीपासीस्वार: धू
द्वाकरैनउधिवै:॥१६॥ मधापरहरकै पैकाण: रघ्याकरीकि
द्धुजीवकी: सीरपरीकहैनमीथ: हीसाबीजीगरकरो:॥७॥ ह
दाहीनीतीहान: माधगृहुनैलीतासु: ज्योपावोसुनणा: दानत
एणापरजावसु:॥८॥ ययायनमेहैत: घरमधारी धेयोको:
जबकालच पेटीहैल: तकनोलीरज्योरै हैः॥९॥ ननानी
मतासुवेती: माधवीनासेगती

56

दुमनवीलाहु॥ नरीनाहुभीरैनीरमकेरामनी॥ जाप्रोपीपुमररसे
कामीनी॥ दोहोदीपगजोडीमेंरमे पोछते॥ जारीमेतीनेरपवन्नीछोडंत
तनल्यावोलेळफलेवरहीन्चामप्ती॥ हरीहावाजीरगररमररहोजाय
57 घूवाईरामपी॥ पतरीहुहमपासनी न्माईरावरी॥ डीगनवैहैत होजीनी
रके हैसववावरी॥ कोनजीवमेजीवनिनावेहम॥ हरीहवाजीरमीम्पसोजा
परेमानरैहैकाहहेहमै॥ नैनगंगतुरंगसेजऊरन्मावरे॥ मरीहुहोंको
कुटीकथमीमावरे॥ घरघरखवरीजापकहोकीमजीजीपे॥ हरीहावाजी
रनागरन्वतरसुजानवीन्त्रमन्हीकींपे॥ ठीमगन्चवेहोउनैनन्चैनन्ही
चीतरे॥ पीपात्ममारोपेष्युनीहाहरनीतीरे॥ नवमतीकरीपोदी

प्रेमपीली मे जबर ॥ हरी हावाजीद तनमन जोबन रूप सभौ पत्त ऊ
लेवाके तउी ससम हीपोन्नरी आवही ॥ लगीवी रैहै प्री आगीनीको उीन
वूंआवही ॥ आहीका त हीव नीकसी कनोजाप ही ॥ हरी हावाजीद वाव
पीयावी देस सीतावी आवही ॥ ॥

58

श्रीरामजी

...कारीनीछिनमनीसपनै ॥ दूजै चमकवा... ...टकरै सु...

लहुवलीजाहु मिलावो पीवकू ॥ थीजानाथपै साथीसरै नाजातुरद ॥ रै...

नेहीवीरचपंपारटतहै ॥ ज्यौज्योमुनीपेसवदकरेजाकरटतहौ ॥ पानपानवा

जीरमुहातन्नीजवरे ॥ फरवजपेसवसुकविनाउीसपीवनै ॥ मोरकरै चम 59

तीसोरचेमंमै वीजरी ॥ जाफो पीवपरदेसतहिकहातीजरी ॥ वदनमैलो

नमननसिन्चपानन्हीखातहै ॥ हरहावाजीरचढुचरफतवीरकछुनसुहा

तो ॥ वालमसीतोवदेसंचपानचवनहै: ॥ सोवेपावपसारी चमसोको

होकोनहै ॥ रातीचढ़ीसवरैनीजातहै जीवकू ॥ हवीहावांजहै कोईवाजा

दकैहै फो पीवकू ॥ पीवतमाराजीवजपूदीनरातीहै ॥ कहुतोकोपतीपाय

कड़ीक हरीहावाजींदघरहीमैंबनजीयोविजोगनिचपुरी॥पीवनक
रजीपकरकेनचला॥दोनैनपैवीचीजजीराहैनचला॥काहूपैतोव्यालकाहूपै
पेषणा॥हरीहावाजींदपीवनचलापरदेसहममैकनादेषणा॥नीरहैसबूरीनका
60 पुसूवाहीरामण्री॥आपनोलीमनबाटैदोसकाहारामकरू॥नीचऊंचसुवमैं
कोहोकिमकामको॥ऊंचामैंहैबेमापासकगेषाजावीषा॥नैठीराजक
वारीकफड़मापालीषा॥गजमोतीनपैहारइसोहैवालीषा॥ऊंचामैंहैकमा
ग्रामकरीमाहकी॥जोवालादोव्यारीपुंमैंडोकानजी॥साजिमोक्षासणगार
कहमपैदामनी॥हरीहावाजींदनैणानैलगापैकाहागरीकामनी॥छीटडे
न्यादनीमाहीकछेलनाछाचीषा॥जरीजादुमीरैनीपपड़ीषावीलिषा॥वो
कैड़ीमरतवानीप्रेमरसकेनहै॥हरीहावाजींददाघ्याऊंपरीकोनपपड़ीपाद
तहै॥

एकजानीसबहीसमान्यो॥ वड़ःपीहै पेयुदेवकाहावै॥ जाग्रीरानी॥ 67
दूरीतनआवे॥ पीड़ाकरतअनेकमतारी॥ अतीमतीजीमटकरै सुनी
61 वाही॥ देसछोडीप्रदेसचलावै॥ ऐसोश्रीपपुदेवकाहावे॥ तातैव
ड़वड़नरआगै॥ मानीमानीआपवड़आगे॥ तातेमनासुधहेवजम
नावैः॥ सुखअनेकसबदुखबिसरावै॥ दोहा॥ ऐसेन्नीपऐदेवहेमानैत
नेक॥ अथमनीख..
सुखरोग॥ औरवीरोधनकेकीयेतनदुखबढतअनेक॥
देवजीश्रीआपासवानी॥ ड़ीतनीकहैपंडीतचूपलाड़ी देवपन्नुहुन्की
वीनतनपाड़ी॥ अरवीगानआपासतनापे॥ ड़ीतचपुचोधीसवे डीग
छापी॥ जगमगजोतीहोतचहुँवोरा॥ देषंनजानवीगानअजोर॥

रोसजपेमनकोपन प्रहै॥ दुखमनीश्वताहीचप्रहै॥ जातकौदीजनकै॥
कासा॥ पानीपह आमुख अमोकै॥ बैठीदीवानतेज आसासा॥ तबरा
62 जामुवचनअरनोकै॥ होराजा अमनीमानवखाणो॥ मेरोतै प्रसनावन्हीप
पो॥ जबीबात अबतोहीजातैहु॥ पाहीबातकौफल अबदैहु॥ दोहा॥ श्री
मनीश्वरदेवजू इतनोवचनसुनायो॥ फीरीदीवानदेख्योन्हीकाहा गयोके
हैराय॥ कटीवचनफल राजाल्हीनो॥ ताछीनदुख मनीश्वरदीनो॥ अ
थराजकसट॥ इतनोवचनराजासुनीकाना अतीउचाकमनजपे
जपानो॥ कोधजए मनमेंदुपपाऐ॥ रामीवारहीरजातनआपे॥ राजा
कुमाछमतीआइी॥ अबराजाजीयुमोचवखाणो॥ जातीजातीबीतउप
जाणो॥

कवृ· सरसहीलनाथै ॥ कऽन्वोतेल निषोरच्यूवाहे ॥ कोंन कोंन
न पोकरतावितैंडी ॥ राजा कू तेलीघरमाही ॥ पेषरीनतेलीसूंमेमन
न्माही ॥ न्नरीसुं घानीरातीन्चलाई ॥ वैठतराजाआउतजाहे ॥ मन
न्नागयोपूरनासिसमाहें ॥ सरस्वेदहोपूरचलोहे ॥ देषतजीन्ना
नेद न्नयो हे ॥ दोहा ॥ घानीहायततेलकी न्नरघानीसेंहैंजात ॥ देषी
नूप सीसरद कू मनमेंसुष उपजात ॥ न्माझीदेषीसुषकंदच्चीनी
देहोसीर उपरीन्चेंढा ॥ न्मैंसोसमोन्नयोन्मानंदा ॥ उोमगीवढनो
मनावहैसतमंदा ॥ होषरीमगन तरंगउोठाई ॥ रागन्मलापनलीमन
न्माई ॥ घानीहायनन्चूलीगयेहैं ॥ न्मीरन्नेकजीषजायन्नयेहें ॥ ताही

नराजमन हैव्चारी ।। रागहि चार डीपोबैरै पानी ।। वहीसमै ... म

त्रापणो ।। तेलीडी आनीपरीआपणो ।। मैसो सुरराणो है रूप ।। ...बी

64 मैरागरूपो एकरूपा ।। ऐसी पासीजो मुनितवही ।। मसतनपे म

पनैधरीसुवही ।। वहीढकनोजो समझीकै रागरूपडीनोव ।। होनहा

रमानतनवैताहीछीनमुनिवेवु ।। इतीश्रीपदमोत्रअध्याए तेवी

सोप्रसंगसंपुरणं ।। अथराजकुवारीकोप्रसंगवरनंनं ।। अथ चौ

दीन भाव तजानी ।। तावीधीसी अवसुनोकाहानी ।। राजकुमारीए

डीपवारी ।। मनभावती नामकैहै व्याही ।। अपनै मैहै छमाहि वछवा

री ।। सोवतहुती नीदसुकुमारी ।। वाके पासी मोर नहीकोउ ।।

दास [illegible] रम्मापहीहोउी ॥ म्मोर धनीसोजबच्मासेनाल्लागी ॥ उडिछ
टीनीघताही छिनजागी ॥ मूगडपडी वाडी पेक ला ॥ सम्मब ।
पतही पैहैचान्ना ॥ वजीवूधीन्मस्चान्न ताडी ॥ पहीराग । तनमेन्बू 65
न्नीजाडी ॥ उठी वेठी तब वहवाडी ॥ मननावतीनी ह्वीसराडी ॥ दोहा ॥
वीन्कमके गुनरागष्नी जनमुपरी हैकाना ॥ सोवत ही उठीजागी
परीमनन्नाव तीमुजानी ॥ सुनतराग उठीमीह गवाडी ॥ दासीहु
कन्नोल्लीजगाडी ॥ म्मबदासीसु पूछतवाडी ॥ रागन्मक्षापतकोसु
घदाडी ॥ मैहेल्लतवै न्मोस्नो सुरगायो ॥ उछटीनीघ उीनमोहीजगाडी ॥

नमरघरैनीसाचेहाथरक्खोहै ।। नैसेसमै आव्या[illegible]पतकोहै ।। [illegible]ीर
छूडायदई पागुनतोहीजगापत्नईहै ।। पाछीकीपुरमवेपुरीदासी ।।
66 कोनापूरमहै पोसुखवासी ।। दासीउतिरीमेहैव्रतेजाई ।। वाछोतीऊ
पाडीफीरीनाई ।। कैहैन व्रागीनेल्वहसवही ।। दासीमनमाव
तीसूजवही ।। दोहा ।। तीमकीपोवाहीसमैउत्रीधामसूजाय ।। कैहैरानो
रफीरीजायप्रेवाईसमसमझाय ।। दासीउवाच्यौ ।। सुनीवाईवल्ल्यो
रसपान्यो ।। वाईनजोआवोहोजान्यौ ।। नगरसेठकेघरमैनापो
वाप्रीतीपाकोहारन्यूरापो ।। फीरीसाच्योनटतोसवारा ।। ८ ।। ९

व. ठजो चोर हमारा ॥ वाकू वे राजा पै ल्यायो ॥ वाको सीस वो दीयो ॥
पो ॥ ताछिन राजा को पवन आयो ॥ वा चोर रहै चोरंग करायो ॥ सुनी वाई
67 वै तेली वो ही ॥ रहे मै है वनी चै ल्मपजै ही ॥ सो वह तेली सुनी मै छ्या
पो ॥ वा चोरंग है घरी कै ल्यायो ॥ वाही का वह चोर सुन्यो है ॥ तेली
घरी माही रैहे है ॥ दोहा ॥ वही चोर तेली घर आनी हाक नजात ॥ वा ही
नै याही समै राग ल्मल्हाप्यो रात ॥ वाई कैहै ल्मसे दासी ल्याय सुनाई
वाड़ी मुजीय माहि सुहाई ॥ सुनी पै वात ही पेख्य तीव्वीनी ॥ वा ही वप
नक्षी मन समाक्षीनी ॥ सो वन जी सुधी जूवाग ड़ी है ॥ उीन सुनी सुरती
च्वाय दड़ी है ॥ ता ही समै वही मन धानी ॥ मै सो ग्यकी डूबी है नारी ॥

चात्मनजावतीग्यमोची ॥ मनवीचारीधामीसुवोची ॥ [illegible] ज
मीफेरीऊतरजा ॥ वाहीनरपेन्मवतूकीरजा ॥ साकुया [illegible] न्म
वाहीजावो ॥ धीपेधीपेवाकदशतल्जावो ॥ रामरामकनमुकैहैंधी
ज्यो ॥ शीतन्मावनमीढील्नमग्रीज्यो ॥ दोहा ॥ नाहाग्रोईजामेंनी
न्माहरहुनजनामुजावीधीमुपोहेंचेमैहैंवेमोजतनल्गागाए
॥ तवदासीवनमीठीमेंसुधारी ॥ नमरघरेनीसामेंहैंल्नानुऊतरी ॥
चल्लीगईतेघीघरमाही ॥ देषतमवघरसोवतापाही ॥ पेपवलीन
रजागतजेहैं ॥ फेरतधानीरागकरैहैं ॥ पासीजापऊनग्रोमनवी
नो ॥

ठीगमुकैहैहीनो॥बीप्रमउवाचे॥सुनीसैनागठरनीस
कव्योहे॥कोदीघासीसुनव्चनाकहनोहै॥पेप्रतोजीपुहेउवाच
ल्ब्रगायो॥पावसतीमैचोरकाहायो॥दुजैल्दमभमैसोदुष्टदोगी
69 गाहयुहवोमेरोजीपुल्योगी॥तीजैसुनीघासीव्मवमोमुद॥मेनो
हावकैहैतहुतोमु॥दोहा॥राजामोकरचोरकरीयाहीदीयोसोपाप
॥ओरव्नपेकरबीचोकैसुनोमवघरमारतोज्यपापु॥जैसैचवरपाला
तेव्मवली॥जागीपरेयहतेली लवहीतां॥पुतैमोहीमबेघरतीमे॥
पावैन्हीवयैदुपजीमेओरव्नपुपुहवातसुनावै॥मोवदकैवा
मोजीपुजावे॥जैत्रमोहिव्मवैलेजागे॥माहापापयहमोकवागे॥

ता तै मै पाक्र मुब रहै॥ जो तो दुष मेरो मैं जरी कैहु॥ अब [illegible] जा
न जाहा तै आई॥ मेरे मन एह बात न आई॥ राजकुमारी सु कै है
१० दीज्यो॥ फेरी एह बात पछेरण सी ज्यो॥ मे तो हाथ बन्धो है रोगी॥
सो तुम कल्लो न्ही जानत होगी॥ दोहा॥ सब नगरी जानत हमें नगर
सेठ को चोर॥ कारो कारि तुम अब देषी हो हसी करी मेरी वोर॥
दासी वाच्यौ॥ एह जबाब सुनी कै वह दासी॥ फेरी आई मनकी
पेडी दासी॥ ज्यो ज्यो बात हूई सुनी लीनी॥ मन भावती सु सब कौ है
दीनी॥ मन भावती वाच्यौ॥ एह सुनी मन भावती कुमारी॥ कोम
ल रूपा दिपति जीभारी॥ लगी चट परी उही प्रेम मे॥ अब कछु बात

सु[illegible] जी पुछे॥ तब श्री सुवा तब चीत ठैराती॥ मन विचारी कै लिषी
जु पाती॥ मन चीता पै छ्या पहज रमेरी॥ हमै जानी पोऽ अपनी चेरी॥
चोरी वचन वो होत कारि मानो॥ कछु ऽ रै जी पु उसि सबि अमन आनो॥
पेषक वे रत महरमन दीज्यो॥ आव त ही का छिनाटी लग न धीज्यो॥
दोहा॥ पुही वचना ली बदी नै हकरो न कछु उसिसवास॥ करी है हर है
वै है ना ली आप ते हम पासी॥ जब आवी घी पाती लीषी दीनी॥ वे
फुरी दासी कै कर दीनी॥ सुनी री पह पाती लै जावो॥ उनके पासी वे
गवे जावो॥ जे अब के उनके मन भै है॥ अपको तन हम पे पोलो
चै है॥ सुनी मे वचन फेरी पोहोंची है॥ वे पाती उनपे कर दी है॥

वीन्क मडीवाचौ॥ पडीसे पाती मन सम कोवे॥ का हाकी जीये या है
वी यी जावै॥ कै कछु होन हार सम गये है॥ कछु और डीप दरे होहे
: जैसै सेठ कही हम सोही॥ वीरा मै है व की सी गति होइ॥ ते सै जो
कछु होय न जाही॥ काहा कर गमन न मनाही॥ दोहा॥ गै सै म
न मै सम पी के चीता करीन्ह कोपु॥ कीपो वी चार जू चल न मो
जो हरी करै स होपु॥ कीपो वी चार ज र मन चल गे को॥ राज कुमारी
सु मीत्र ने को॥ सब तेली घर सोप गये है॥ नी दाये बसी माही
नये है॥ छोडी दइ इत कीरती यानी॥ हरी को सु मर ए चीत मे ध
नी॥ ता मधीन दासी के संग ल्यागे॥ पो हो ले ने माप मै है जै से मा
गे॥

चढ़त ीघामहि पै मुष पसौ॥ वीन्हम सैन राजकुवैरी॥ नैसे सै छि
पै छिपै लै न्याडी॥ को ऊ नजानत कौ है चतरारी॥ न्मवसंगत्नी पै
73 चत्नी डीन कहै॥ जित तुष मेहर जगमगा सोहै॥ ताहा जुर वैठी राज
कमारी॥ मानौ बीली मै है बावउ जानी॥ दोहा॥ कवित सन्नी मप
डीमई घासी न्मवडा रीजोर॥ जो वम डीछा चै है त ही मुलन्याडीन्नी
ठठ पोहार॥ देवत ही तन मूय सरसाये॥ हरष तरो मन्मानं स्वणाये
च्चन नैना मिलीन्मापस ही मे॥ हरषी हरषी बिहसत न्मवजीय॥
मैं ऊी न डीन कर डीन ऊी गकुवा ही॥ न्मापस मे घो ऊी रूप की राह॥
वैठा रे वह मेहर माली॥ पेयुम सुन्याजन्र हो ष्मी देली॥ हरष मापुवी नार
जकु मोरी॥

जैसोरूपवंतठीजेप्रकाश ॥ मनभावतीचतुरसुन्दरनारी ॥ नवी
नकरसमझावनलागी ॥ नेकुनमनमेंसंकाआनो ॥ सबपहमी
हैअपनोकरीजानो ॥ कबहूपहदुषजातीरहैंगयो ॥ करनहा 74
रसबनकीकरैंगो ॥ दोहा ॥ वहीसबसुषदेतहै वलीदुसनरमाय ॥
वहीसंकरदीबाजुको ॥ वहीकरतसहाय ॥ ईतनीकेहैठीनसोमन
लीनो ॥ सबसुषमंदरबैठसदीनो ॥ जैसोजतनकीयोसुन्दरनारी
छीपेछीपेसबराषनलागी ॥ नीतीठीनीयेहैवीधीसेवाकरी ॥
ही ॥ रागरंगमैं मनचीतधरीहै ॥ ईवीधीरंगरागंबसहुवेहै ॥ पूरन
प्रीतसनेहबढेहै जैसोजतनमेहैवमेहोठी ॥ सोपहचैहनजानातको
ठी ॥

हैस्या अमीजीतनीहैनारी॥ छिनोहोरीवडीजाहाजगमारी॥ सबरहे सुखका
नेहमाही॥ पूहचस्यौकोहुमयनाली॥ कीपादीसटीश्रीआनीवनीहै॥
75 अबकछुउनैहै अजीकरनीहै॥ दोहा॥ अवपहपूरनहोतहैसाछमती
कोजोग कीपादीसटीसुखहोनकोआनीवन्योहैजोग॥ इतीश्रीमपतमो
अधाय॥ राजकुमारिप्रोमसंगसंपूरणं॥ अथ कीपादीसटीहोवेप्रोमसं
गवरनंन॥ जजोजोगहीनरातीवतावै॥ रामरंगमेमनहुलसावै॥ वीतन
लगेजूदीनअोरमासा॥ करतजातजीपकेदुषडीकासा॥ ज्योज्योपह
वीछवषवीतैही॥ त्योत्योदूपअछतहैदेही॥ माछेसाछबरषजववी
ते॥ मनअछतीमेसगरैहैतवीत॥ कपाअहीजोवअमीहदुषहरही॥

रासी गगारही पै आवकी रही ॥ तबतो है नरमन रहै तऊ दासा ॥ कोतै पैडीनामु
न अैसे ही टारा ॥ कछु उ छु पना हि जनावत कवही ॥ चन्द्रवीधा मिटत
तन सवही ॥ दोहा ॥ ची ताकछु विथा न्हीसव तंतवी कमसैन ॥ सछुन 76
सु चेटकसुजाल घत गित नीती सुदेरनैन ॥ अथ मध्यतन दसस ए ॥
औरनी साकछु जागहे रागरेग अचस्वापगत है ॥ पैडीनामु अग
मवरसे ॥ सा ऊहीतै सुष आगम सरसौ ॥ वाहीन सुपनै सुनसु जडीनी ॥
राती कछु चस्वान्ही कीनी ॥ आपासमाधमाहासुषप्रसै ॥ मनउछा
ह छीसगीही पेहरसे ॥ मंदसमीर अंगप्रसनहै ॥ आनंदनी घसुपलक
झुकतहै ॥ मनलनीधमसुष घेरलीपेहै ॥ आप आप कमोपुग पै है ॥ ८ ॥

पेममैहैतराजाइीमुवोदी॥पेमवोरमैहैवमनजातीगोदी॥मुघरनीद

म्हातनछापे॥तीनपैहैरमुमरैनिवितापे॥दोहा॥चतरघरीवीतनव

गीचतरघरीपरजाती॥दसतमुपनैमाहामुघर॥वीक्रमजीतसि

हात मनोमनीधदेवपड़ैहै॥मोसामैहैजानैआपवडैहै॥कैहैतम

पेडीम्रतपहवानी॥मरैराजतेरोद्धपजानी॥आपसूडीसिटीतोस

जोहु॥हाथपापुतेरैअवदैहु॥पकछीनआपडीमीचीपहवारा॥

कीरीसरीरअपनोतडीसारा॥ताछीनदीगनमीचिअवरबे॥

कीरीपलपपलपोलजदेवे॥देवमनीश्रअंतरध्याना॥हाथपा

पंसंजगलपाना॥दीवसरीरमाहाअलमावै॥कसरज्हालगीसवैनमावै॥

पलवीथीदससचीसचनपुसै॥ मनोसरीरहै देषतजेसे॥ दोहा॥ चत्रू रघरीमिस

रै हैतहीलप्योमुपनकीराती॥ भोरहोतदीगपूछिगपे॥ अवदेषोदिसदं।

त॥ ताछीनराजकवरउठीजागे॥ अपमोनदनजरदेषनलागे॥ हाष्यनपा

78 वनसपवनीआपे॥ देषतजातमाहामुषपापे॥ जैसोरूपनम्योहो आ

गो॥ वातेसरससुहावनलागे॥ अचरजनपोजपेपहजीपमै॥ काहा

आपोपहसोषतहीमै॥ किपाकरीमनीष्य देषसरीरा॥ जपोवदनजा

नैकंचनहीरा॥ असततीविक्रमउबाचौ॥ तबउठीहाथजोरीअ

रसरही॥ वोलेतषिधीभातीनअमनरतकरिही॥ वडे देषतमरछना

स्रीनी॥ मोपहिमटीक्रीपाकरदीनी॥ धनीधनीतमअपनोपनराष्यो॥ ॥

सोमन अरु दरसन अपनलाषा ॥ दोहा ॥ जसी कीपा करि अब मोसर कु देवी ॥
जसी किपा सुदरसन दीनो कति करी किपा व सेव ॥ ताछीन देव प्रकास जन
पो ॥ अवनो सकु दरसदीखाणो ॥ देषी दरस तन मन हरषाणो ॥ नी मस्तक
रकरी सीस नवाणो वह है माघी चरन प्रभाही ॥ वोहो नीघना ती अमरत नी
करही ॥ घनी घनी रूप प्रकास बीराजै ॥ घनी घनी तेज महा छबी छाजै ॥ घ
नी घनी अवन बसुनाअरु सोहे ॥ घनी घनी दीसटी सुझाप अरु दीहे ॥ घनी
घनी जो जन पूजत तुम कु ॥ घनी घनी जो फल देत अरु ऊन कु ॥ घनी घनी
होत तुम पूरण देवा ॥ मोप री चूक परी कछु सेवा ॥ घनी घनी अब पलक
पाजनाई ॥ घनी घनी हम प्रकास दमालाराई ॥ घनी घनी दिवीबीवान अरेः ॥

८२

धनीधनीतेज प्रकास॥ धनी धनीकीपा सुंदीसटीले॥ मोतग मीपोरजी

जास॥ अथ सनीश्च देवतीवाचो॥ अव सनीश्चनोकेदी सतवानी सु

नीपोहेराजा अनीमानी॥ कबूधीवचन अपनेश्री आनो॥ मेरोतो

प्रतापनहीजान्यो॥ ताको फल तवहीते देख्यो॥ अव तइकमर सहीरवसे

ष्यो॥ अैसोलीमातापहे मेरो॥ जानीलिजीपो चीतमै हेरनो॥ जोनरमा

रीकवधीवचनतो॥ मोसु जावनहीचैहै तजमनतो॥ ताको फल नहपावत

जाये॥ जवलगकृपाकरुनहीआपे॥ याते कै है तमवनकरनहीपो॥ सव

देवनकूजानत रहीपो॥ अवसुंदीसटीमेजपोजरतीमु॥ मन ईछाफ

लमागोमोसु॥ दोहा॥ ईछाफलक छु मागीपो॥ ज्योचीतन्चैहैतमार॥

सोअवतमक हैं चल पेहीसुनावहमारा॥ वीक्रमोवाचौ॥ पहमुनी मैं
राजाकरजोरे॥ पेहीलालसाहैजीपेमोरै॥ माहाराजीतममु पेल्वीनती
४। काहाहमारीहै अवगीनीती॥ व॰ देवुतमम सदामाहायक॥ मववाता
उरीम मवम्रापे मु॥ हु सेवगआधीनातुमारो॥ ज्योजगमैकोईी रेसु
वीन्चारो॥ अैसोवरदीजेमाहाराजा॥ अरजकरमुपहीपमुकाजा॥
माढमतीमोसोदुष जारी॥ सोहमअपनैसरीरप्रतीधारी॥ अैसोदुष
मैरे तनछापो॥ अैसोअवकोईअौरनपावै॥ प्रगारचनाजोहीपेह
वेरे॥ पेहीमनोरथहै मनमोरे॥ दोहा॥ अैसोकस्टमाहापेलसोहैं मम
होसरीर॥ अससोअवकोईजगतमै औरनपावेपीर॥ अथमुनीरुवाचौ॥

१२

अथफेरी मनीश्च रवुजरयोवैंड्रीमतवानी॥ कीपाअमेमोछै होनरे म
तेदोइीनजागमो॥ काहाअंमदैहीछोव्वरमागमो॥ अब्बीवातपह मनमा
तेरी॥ पह मतारथनाउरीजमेरी॥ मुनोवचनअमवराजकुमारा म
नमापूरनकरूं तुमारा॥ हमारापेहमेंमारजगतनरनारी॥ केहैमीओ
पएकथाहमारी॥ मनचीनताषुजरपूरणेकरीही॥ मुनीमुनीजोअम
पनैचीतधरीड़ी॥ ताहीअरीअमतीक्रपाजनेहु॥ रासीगमारहीकोपक
वदेहु॥ दोहा॥ वरईनोअ्रपालकईछाजोमनमाम॥ ताछीनअमे
तरध्यानहैवैपोहेच्चेअपनेआम॥ ओरअपेततकाजउीजाका॥
हरमेसुरजीतेजअगामा॥ तनमंम्पटसवदुतीगपोहे॥ राजकवरमानेद
अपोहे॥

आगेगरप्रेमवीचारतमनही॥ आयमरी हत्यौ पहतनाही॥ मगुनसुम
गङ्गाकारजपेहै॥ माअहीपरवनीयछपहै॥ हवैसवनीदरहेसुषमाही
83 तनकरघुतनषीसुधिआही॥ कोकरीपहतनवीघनसरीरा॥ कोकरी
करपदवनेजरहीरा॥ दीमतसवनीसआजिहीवरषै॥ दीमरतनीदमा
हसुषमषे॥ चीहनसुगनसुचदुषहरनेको॥ पहसरीरकौसुषकरनेकौ
॥दोहा॥ सुगनसत्पन्निपजानीमै देवततनउजीपार॥ मनचावतीछवी
नीदतैचोपीपजीपहवार॥ माअहीतेसुषआरसतेरी॥ चन्नपैहैरनिसनी
दनघेरी॥ चेपपवरनसुतरनउनैसे॥ नैननपलपलकेमीघकेसे॥
चोपीपरीअवराजकमारी॥ उछटीनीदजागीतिहवारी॥ ननसतआपे

राजकीवोर ॥ चोगनो रूपचपनो चितचोर ॥ हाथन पाधन सब बनी आ
पे ॥ दिवरूप जगमग सरसाणे ॥ मनभावती उवाचै ॥ औसो तेज प्रग
सवै नी आपो ॥ सुरजी तेज किरनी छिटक जानै देष्यो ॥ तब अपनै म
84 न सौं चवी चारी ॥ पहतो पू[illegible] हा आति नारी ॥ कछु सब ब कछु दोषछ
पो है ॥ ताकारने पहकसूल पा हो ॥ दोहा ॥ कै कोई पहमा प्रादिब है कै कोई
पूरन रूप ॥ कै कोई पह अवतार है कै कोई दिवसरूप ॥ अब मन सोचप है
ऊपजी है ॥ लोक लाज सब आजी तजी है ॥ औसो पूरस का हा अब पैहूं ॥
तासजोग मन हलगैहुं ॥ बडे भाग जी पर आजी तम्हारो ॥ आपन पो अ
ब आप सुधारनो ॥ होनहार औसो बनि जावै ॥ मन इछा पूरन वर पावै ॥

वडो धरम कछु सुकृत कीनो ॥ तासं जोग हरी पुह फल दीनो ॥ पे छले जान
मकछु हरि गापो ॥ पूरन तप करी ध्यान लगापो ॥ ताते जनम रागम
मकछु हरि गापो ॥ पूरन तप करी ध्यान लगापो ॥ ताते जनम रागम
85 र को है ॥ वा फल ते पुह जोग बन्यो है ॥ अकछु औरन बीत तबै हीर
हु ॥ वरमाला डीन पे गर नेहु ॥ दोहा ॥ री मत धरी जर आजी सीरी मत बन्यो
सं जोग ॥ पुह मनोरथ चित बस्यो काहों करे गे बोग ॥ तब कर जोरी जरह
रमन लागी ॥ बडी बडी अब उन पै आगी ॥ हीन हार ध्री अगमा पारी: ॥
वरमाला गर मे पै है राही ॥ धनी धनी देव काहा जस गाउ ॥ न्कीपा प री
मन माहि बिराउ ॥ धनी पुह पै बधान धरी पुली है ॥ धनी नी छत्र य
नि जोग मही है ॥ धनी धनी नव ग्रीह पूजत तल मक्क ॥ धनी धनी पुह फल दीनो
हमकर ॥

५।

तीनातीमधनी देवकरोरी ॥ अतिसुंदरसी चित्तपेहमजोरी ॥ पहगहुन अ
सतुती चीतमै धरीहु ॥ नितीनीती विनती अनदसरही ॥ अपदसरसं
कलासवतन जागी ॥ प्रगट्जानिकरनाषनल्लागी ॥ दोहा ॥ मनसं
86 कलासव दूरीकरी जागसुहागसिराही ॥ अवमंदरमै प्रगट करी ॥
षनल्लागीवाही ॥ अथ अमरमोअसमेपूरणं ॥ छीपेरौहै तहं अव
लगनाही ॥ मनआवतीके मैहैकनमाही ॥ अवसंजोग अमैसोवनी
जैहै ॥ शिगटरहनल्लागेमुषअमैहै ॥ अतिआनंदानि तहरषतही
पेमै ॥ काहुकोकछु मैल्हीलीपेमै ॥ पेपुदीनाकछु सैहैजमसुआइ ॥ म
नआवतीभीनापजआइ ॥ नमंदमैहैवमै जव पोहोचीहै ॥०॥॥

धाम देषीमनमैंमुक्कीहै॥ सुंदर रूपजगमगहौंहै॥ नीपुमैकोहैत

दडीपल्कहै॥ पलगतीदेषीउलटीफिरआई॥ अपनीमासपासी

आजीआई॥ रल्लोनगपोकहनोतिहवारी॥ सुनोमासपेमुवात

हमारी॥ मैसोआदेजपोसुमानिलीज्यो॥ पलवरस्यागमवहीमाति

कीज्यो॥ दोहा॥ बाईके मैहैलनगई अपनै मैहैजसुनाय॥ पेमुपू

रसवैकोताहासुंदररूपवनाय॥ पहवीरततल्लम्यो आवहीहै॥

तववतमसुपहवातकहीहै॥ ईतनीवातसुनीजवरानी॥ अगनी

ल्लगीतनमैहैहैरानी॥ रल्लोनगपोअल्लीयहआई॥ जितमैहैलवै

ठीवहवाई॥ सांचवातमानीजदिरानी॥ देष्योपूरसमाहअमनमानी॥

87

८५

देषतहीजीपमैहहैरहै ॥ रोमरोममैआगीबरहै ॥ कैहौजातपूहसा

महाहे ॥ सुनीबेटीपूहवातकाहाहे ॥ असीनदीन्हीअवतारी ॥ अ

४४ वतैनहीकरीचतराई ॥ दोहा ॥ काहानहीकैसीकरीतैबेटीपूहवात

वूरीकरीपहैवातसुगडीजातहुलज ॥ करनीहतीन्हीपूहवाही ॥ अ

पनेकूलकरछीटलगाई ॥ मातपीताअमोहीसु ॥ काहापीछोअप

नेमनहीसु ॥ मेरेजानीकालीकीछोरी ॥ असोकाजनकरनोहेसी

पूहतोभलीवातन्हीबेटी ॥ मातपीताकीअमामेटी ॥ वडेजरकूल

कीनारीकाहवे ॥ आपनपोषे आपछीपावे ॥ मैतोजानतहीअव

तोरी ॥ मनभावतीमाहाअतीभोरी ॥ तातैइनवातनचीतलाइ ॥

सबकूं पेल्लीबूरेकैहैषाषो ॥ अबतोमोहीकछुनसुहावै ॥ ऐसीबात
सरैनैजावै ॥ दोहा ॥ सबघरचरचाहोषगईकोकरिछिपैजखात ॥
89 माहासीखवजीषमैबछ्यो ॥ नैकनकछुसुहात ॥ मननावतीउवाच ॥
अबबोल्ली मननावतीवाई ॥ देतजबाबमाहासुषदाई ॥ सुनीरीसा
ताकहजतोसु ॥ बूरीबातकछुनईनईनमोसु ॥ षानरसीकछुना
हिनजोरा ॥ नगरसेठकोहैषलचोरा ॥ पीताहमारैपोजसलीन्यो ॥
राजरीतीकोनाषनजीनो ॥ अतीहीपापेकोधबछापो ॥ हाथपापचो
रेगकरायो ॥ तबकोषोसघमाहीगीरोहो ॥ हाथपापनीगटुषीपरतोले ॥
हेकोईपूरनतपधारी ॥ बडीकुमारीकोफलजारी ॥ षाउँरीहलीकपाए
जीनो ॥

हाथपापमारोकरहीनो॥ दोहा॥ असौ तपकोजोर है पूरनहरीको ध्यान॥
असेदुषमेमुष नपोकीजपेकाहावषान॥ तातें अवकछुमोचकाहाहै
मेरोन्चीतअवपाहिचहाहै॥ जौ मोनगरजंगमै कीतहोगो॥ तासुकेनी
मेजोगवनेगये॥ यातें यह मन अगमा पाई॥ वरमावासमें लोपैहैराई॥
जोकछु जोगसंजोगजूरनोहै॥ मोअवघरवैठी ऊधरनोहै॥ कैहे मै
वूरीकरी मनहीसु॥ कैकछु भलीनजीअवजीजीसु॥ आपनपोहे
म आपमुधारनो॥ असोहीन्चीतनपो हमारो॥ कै ईकहोवूरोकी
मान॥ भलीवूरी आपनेजीय आन॥ जोकछु नहीकाहा अवना
षो॥ यहीवीन्चार मनवैन्चीत राषो॥ दोहा॥ जोऊजोगवन्योहुतोसो

अमवतीघरनोआसीघरवेंहरमूघरन रहीनोऊंजीजगयान॥मातावी

वाक्ये॥ईनतनोवचनमुन्योजवरानी॥वोल्लीरहीकछुन्नीमानी॥

९१ चीमतकारअमवनपोजूहीपुमेमात्वीवातजोमानमुजीपुमे॥न्मे

मोहुतोजुपुहन्चोंरगा॥हाथपापुविनहोअमरेगा॥फीरीमनीरूज्यो

कोज्योहीऊ॥नमैसोपूरमजगतन्हीकोऊ॥हेअमवतारसहीकरीजा

न्यो॥वारीकोमेंजोगवषान्यो॥जोअमवराजामेंजीपुआवे॥तोपह

वातचल्लीहवैजावे॥घरवेंपहकाजमुफल्लहै॥न्मेसीजोडीकहु

नमील्लीहै॥जीहपुकारीजआजीवनेहै॥घरवाहीसवहमुष

हेवहे॥दोहा॥घरवेंहीवरमील्लनोमनआवतीसंजोग॥न्मेमोकहु

न जगत मैं सब की रीति भावै बोरा ॥ जैसे लोक हु छील दोपग फेरा ॥
न मैं हरष न पे वो होति रो ॥ चली धाई राजा ढीग आई ॥ सब चेर
पति कर मन जाई ॥ मुनी मनी राम राजा मकरवाणो ॥ मुनी करि चे
९२ द हजरी बूवा पो ॥ देवन लागे चोर की नोरा ॥ देषदीषी अपनो रूप
मोरा ॥ वी परम रूप माहा अव प्रावै ॥ दीषी रूप मनी राम लजावै ॥
देषी रूप इन को है जब ही ॥ मीलित नाही चारु दीग अब ही ॥
जैसी कि राती रूप प्रभी सोचा ॥ देषी देषी हरष तन माति गोचा ॥
है अवतार बन्यो मुनी को ॥ दीव रूप अती बन्यो श्री पीकौः ॥ दो
हा ॥ सत्य रूप अवतार है पह जीप मैं बैरान ॥ मन भावती वा ढीढी नै

अमल पुरी दीजे दान ॥ पृथ्वी चारनी सबै करी नाषे ॥ दीनौं सीघरै घर मै
राषै ॥ अन्न सलाह आपनै घर बरीषै ॥ कहे बात पह अरज करिषे ॥ के
93 रफेरी पूछत सब घर सीमु ॥ सच सुमन लीनो मन नहीमु ॥ जी तन के जोग
हते घर माही ॥ सब पै हरष नपोमु न नैही ॥ पह सलाह सबै मील्की दीनी ॥
अली बात चीत मैं तू कीनी ॥ मन भावती सइ पवसानौ ॥ व्याहन जोग
भई सब जानै ॥ अब कछु ढील परो जीन राजा ॥ मीलको सै जोग ब
न्यो सुन काजा ॥ बडे भाग पह घर म हमारो ॥ व्याह काज सब कन्या जीमु
धारो ॥ दोहा ॥ बडो धरम संसार मै है कन्या को दान ॥ जास मान न्हीजगत
मे ताकी कहूं बखान ॥ इती नोमीन सध्याय संपूरणं ॥ व्यात वरनेन ॥

६८

अमवपंडीतगुरमीत्रवुलाये॥ पहन्चीस्याकारीजोगमीलायो॥जनमप

त्रनाडीमोदीयो॥रासीवरगअमरगणसवकेसोध॥घरीमहुरतसवव

नीजाई॥जलीवातसवकेमनआई॥ताछीनजोगलगनलीषाजो

मनभावतीकेहाथीछुवायो॥कीरवैकरवीक्रमकरदीनौ॥सुय

रघरीसुभकाजनवीनै॥लैलैनामगणसमनाये॥सवगूरनानी

मंगलगाये॥रीतैतेलमनभावतीचढीया॥सवघरमेजीयआनंद

स्वढीया॥उतमेवीक्रमजीतसुभागे॥सवमीलीतेलचढावनला

गे॥दोहा॥ तेलअचनोदोउओरकलगनपरीसुकमार॥गावतसव

सषीगानमिलीवनचूनमंगलचार॥अमवमैजोगसुजम्यापतीघरीया॥

ब्याहकाजश्रीजगदीजरकिनीपा॥जदीतयारीवोहोविधीनीके॥आनं
दकेदहरवसवहीडे॥मंडपजालरीसुघरछापो॥तानीचेमुजब
95 जगडाये॥चूनीचूनीमोतीनचोपुघरनोहै॥ब्रजवेदउच्चार
करनोहे॥जोकछुराजरीतीधारीहोई॥तावीधीजातिनमोजम
जोई॥उजलउजलमोतीतजोना॥वाहरीभीतरीजगमगहो
ना॥जडीभीतरीवाहरीअतीभारी॥अमरभीतरीगावेसवनारी॥भा
तीभातीवाजेततथारा॥धूमपरीसवनगरमझारा॥चढेब्याहका
राजकुवारा॥मोतिनसीरवाधिउजीयारा॥दोहा॥दरवाजामेंच्यार
केभावरीफीरनेलागी॥मनभावतीसुकमारीनेपायोराजसुहाग॥

प

गपेथ्यारह अवराजकुमारी॥ कन्यादानदियो तीहैं वारी॥ दी? रता

ओरमोतीनमाला॥ जगमगमो जित अरसुषपाला॥ तरहीदिये

९६ असगेपुसु तबही॥ दीपेजरह सती सजी सबही॥ दरवजार अंडार नवीने

चूनीचूनीदासीदापेजरीनी॥ जातीजातीऔ॰रजाती जारी॥ दीवी

अलंड आलरी उजीपारी॥ जाती जातीपे गीत्र मवी छोना॥ जातीजा

तीपेमाजसवोना॥ जातीजातीउरीवीनातिआपे॥ रतनमाला

कुमैपैहैंराषे॥ जाती जातीकीरीवीन तीप्रीनी॥ आपजोगअपेहक

छुनदीने॥ जाती जातीकंचनदिपे॥ जाती जातीपेठाव॥ जातीजा

तीपेसाजअरजातीजातीपेगाव॥ जहीवातपहपूरणडीनपी॥९॥

अव पेहवा तदुसरे दिनपी ॥ अव पेह मुनी सो नही कहान ॥ श्रीपती
सेठकरी मिजमानी ॥ नगर सेठ पै नही तपारी ॥ नाती नाती से भोजन
97 कारी ॥ सव समजू गती तिलकछु नाही ॥ सवकू अवकू वोलन जाही ॥
चले सेठ राजा तिस आपे ॥ भोजन कारन अमर जाकरापे ॥ इती श्री द
समोनम अध्याय पुवी नाह धर संग संपूर्णं ॥ अथ नगर सेठ पै गए हे अवर
ज मिजमानी सो प्रसंग वरनंन ॥ तव मनी राम राज उठी तवही ॥ वी
क मजीत अोर जो सव ही ॥ सवै साथ वूकापे तिहवार ॥ नगर सेठ पै गै
हे पग धारी ॥ चत्र मै है वमै दरसन रसापे ॥ ताकी की सुदर फरस वीछाये ॥
सव संग राजा ल्ली पे चीत्र मै है वमै आए ॥ वैठी सवै देषन लागे मंदर मे सु
षपाए ॥

थीकमसैनसबैपेहजानो॥पहलमेंद्रष्टोंनेदखबानो॥वोकैनहीकछु
मनहीमें॥राषीवातसबैहीजीमें॥देषनलागेहंसमुनीवोसा॥मा

98 हाकपटीहैवैह्चोरा॥होनहारजैसोवनस्रीनो॥पालीनैइतनको
दुषदीनो॥फीरीवामंदरआवनदीनीहै॥केरी[illegible]कनामोहरसन
हे॥कारनकोनकहाअबपरीहै॥अबतोदेवसटकीपाजनहै॥पी
छलीवातगईदुषहीकी॥अबतोनईनईसुषहीकी॥तबतोहलो
अपेवीदुषमें॥अबतोसेगमाष्यो सुषमें॥देषीचीत्रकोहंस
करजकवरमुसकाए॥पीछली वातसुहोगई॥अबकछुऔर
दीषाए॥अबमंदरमेंभोजनकरजा॥सबैमाष्यवैठे होवैनरजा॥

नगारसेठजीपरखतनाये॥मोग्रीहपेंदोपराजापधारे॥षटरससौं
११ सुहावनवागे॥लगेपरोसननवपेंनवागे॥जातीजातीपेंषा
जघरेहैं॥जातीजतीपेंभोजनसुधारे॥जातीजातीमेंनाम्नली
नीपे॥जातीजातीफलसवहीपे॥जातीजातीपपुवानमीठाई॥
जातीजातीकीनीचतुराई॥सवेपरोसीचूपेंमनभागे॥गमय
दोहीराजानहावनलीनीपे॥जेवनलगेमाहाद्रुचीपावे॥दोहा॥रुची
रुचीकेरपरोसहीरुचीरुचीमननीतचाहीषटरसभोजनरुचीवन
जेवतसवेसराही॥नवपेमचीरजजेवतहीमें॥नपोतवेलतीछि
नहीमें॥वाहीमंदरमेंजितनोहेंचीतरेस॥दीपहेसवन्नोहे॥...

सोवत हंस हल्लन चल्यो हो ॥ हार जर मोती न खोउ गयो हो ॥ जीव तहीं न
नीरा मन रेसा ॥ चोपडी परे पट कारन केसा ॥ रेपत का हाजर में रहनै
100 ही ॥ चीत्र हंस पीनो रत वै ही ॥ मोती नमो पेप हार म्हा हे ॥ चीत्र
हंस मन तें डोगयो है ॥ जे सो अवीर जन जो वसे सो ॥ नगर सेठ
दोठी राजन देसा ॥ जी भी च पडीत राज सुजागी ॥ अव मनी राम
जर पूछन लागे ॥ दोहा ॥ पूछन लागे नृपसु नृपक सो जोरे ॥ काम
वार कारन कोन काहा पहे ॥ सो अब कहो वीचारी ॥ अब मनीरा
म छीपाई ॥ वीक्रमजीत अव रसी आगे ॥ जाशे नेद सुनाव लगा
गै ॥ आदी अंत ज्यो सवै काहानी ॥ जो जो जाही सबै पेहचानी ॥

सुणीराजामनीराम नरेसा ॥ मिलीडापुरी है हीपुदेसा ॥ वानगरी
कौराजाकालाक्षौ ॥ वीक्रमजीतसुनावघराठी ॥ होनाहारजोही
101 जैसेही ॥ देवसनीधि आपादेही ॥ दीसटीकउरीजईमनखिजा ॥
सो मन्चूरुपरीकघुसेवा ॥ जाप्रताप पुहसंकट सहीतो ॥ सोत्रम
सवपेहजाननहीहो ॥ अबसुदिसटीदीनअपेनीवासा ॥ पेप्रामए
पेहदेषीतमासा ॥ सुमोजन ठीतपलीकसरपी ॥ पेहमंत्रमेसोपी ॥
पेहीहेसपाहारकूदेषतनिगवोहोपे ॥ अथमनीरामठीवाचौ ॥
सुनी मनीराम जेह पहचरीपना ॥ जोरीदोडीअरपापनपडीपा ॥ जा
तीजातीजीवीनतीकरही ॥ वीक्रम पे आगे मुन सरहीम्हाराजी ॥

43

त्वमवङ नदेसा ॥ मै धर जाव जाने न्ही अैसा ॥ रमतीली चूम परा नो

अरीही ॥ मेरो पेष कछु बस न्ही सरीही ॥ पे हजार एक मुनी मे चा है रा

102 उ की काहा जी पे ॥ रमती पछी ताउी ईतनी न्हि ध्यपरी मु अरीजर ॥ रमव

जो कहो सो कहो श्रीजर ॥ रमव पहल्वाततमे उचीत ष्रीजो ॥ पहवा

अमीर माकष्यरीदीज्यो ॥ वी ष्रर मसे न कहे उीन मुजो ॥ रमे सीवा

तफकहो न मु नो जर ॥ दोहा ॥ देषही सरी ष्रीवात पे हकी पोजर एम पनी

रोस ॥ जो त्वीव तंजो हम सहो काहा कारो हो स ॥ नगर सेठ उीवान्वौ ॥

मुह चस्वा रमव पोछी धरी है न मसे ठ मे कानी परी है ॥ मुनी श्री

श्रीपती रमती पछी ताही ल्व जीतमान नपो गडी जाही ॥

ता: छीनतनकी सवसुधीवीसरगो॥ कछुखावनसूखतैनीसरो॥
वरनो अचंभो चीतमें ठान्यो॥ होनहार सौं जेहन जान्यो॥ अव मन
103 करी वीचार पेहा॥ वेरे श्री कवरी वाईहै मेरे॥ सो अव ईनकै पा
पनदिजे॥ हो आधीन वीनती कीजे॥ और कछु मेरे घर तीहै॥
ईनकै ख्वे जोगी न्ही है॥ पहचीत चाल चवै घर माही॥ श्रीक
वरी को व्याह रचही॥ दोहा॥ ईनके ख्वे जोग भीकर और कछु कवा
पेः॥ श्रीकवरीवाई पिह मोलै ङाद्र पाप॥ ईती श्री सनीश्चर जी की क
था पे प्रादसो अध्याय॥ अथ राज प्रसंग से पूरणं॥ अथ पहुसरो
वीवाह प्रसंगावरननं॥ सेठ उवाच॥ ताही छीन पे प्रवीत परो है प

वाईकोअबव्याहरच्योहै॥राजनजोगमपेहीवनीआपो॥आक
वरीमोहापगाहापो॥औरहारमोतीनमोवोहीहोकीरीरीको
सुधरवन्योही॥मोअबवैमरीवीनतीआपो॥राजकवरीमै
गलपैहैरापो॥मासीवापघरमैकछुनीको॥सेबीदेखिन्यूनीच्यू
104 निसवहीमो॥जथाजोगमीलैमरीकरजोरहै॥सैकरचौमरमर
तनिहोरी॥माहाराजीतरमराजबराजा॥छीमाकरोमोपरीपए
आजा॥दीपोनकछुपहेपछतैहु॥सैवेवापपकाहाजूमैहु:॥
दोहा॥वोहोतत्रीजिपेवीनती॥पहीहमारीमानीश्रीकवरीदीनी
तरमेदासीसमअरजानी:॥वीक्रमसैनराजवड:जागे॥सुवपा

पो न्याति छवि हसन लागे ॥ कोनो वीआ हवनी सु जोरी ॥ सु सी
वे हन संग दोउ गोरी ॥ हेस चलन नखी सुरती चवाई ॥ मागत
105 सीष माहा सुष दाई ॥ न्मती सु ऊमार राज सुष दानी ॥ कोम
ल वचन सुधी म्रतवानी ॥ दोउ सजन पापुप रीप की पे ॥ वीवयी
जाती जीवीनती उरी पे ॥ न्मती सुष सरसात वरषत परी मे ॥
हेस हेस मीलीत नैन जाति जरीमे ॥ सषत सुष दोउ गीरनी
मोहे ॥ हरषत सजन सजन मन मोहे ॥ अटकी अटकी न्मगना
सुधारी है ॥ लटकी लटकी तस लीम उरी है ॥ दोहा ॥ सुघर सुघ
र वानी सुनो सुघर सुघर सुष जोग सुघर सुघर सजन मीले सुघर
सुघर संजोग ॥

१५

इती श्री सनी श्रगी श्री कपा दुखाहरणो अध्याय दूसरो वीश २१ प्र
संगसंपूरणं॥ अथ तेली पे मीलवे को प्रसंग वरनन॥ वी के सजी
106 तमा हा सुष सरसो॥ मिली होत सजनन सु मन प्रसे॥ होय रीवी हा
सजन में संगतौ॥ पेइ तब औत च वो अमगी पै॥ सुघर छब इीप
है सघनार्ट॥ देषत सुघर सुघर अमरार्या॥ वै है तसमीर में हंग
ति सुघरो॥ तीह चलि आप मगन ते उतरे॥ सी तल जब नीचा
सा सजवार्ट॥ वै छत्र पन आनी वे ठाड़ी॥ मन वीचारी चीत में पह
घरी पे॥ अब मीलाप तेली सू करीये॥ वैसो विघन सरीरसी
रनो है॥ वा दुष में वह आनी परनो हो॥ ताते वो हो विधी मीलीयर
जैहु॥

अब मैं आपो वरयो दै हु ॥दोहा॥ मधुवंदी सत वच्चन सुव वीक्रम
जीत नरेस ॥ अब तल्की मुवीनी मीकै ॥ कनोकरी च्चल्जी पै देस ॥
पह मन मै विचारी है ति हवे रो ॥ ताही मीन्त न झी मन माहे नी
अती आनंद हिये मे हरषा पे ॥ ताछीन वाही वूवाप पठाये ॥ व
ह सुनी है सु तच्चव्जनो झर आसा ॥ ज्यो है स्वपो आनी राज मैं पा
सा ॥ वै छौ रनो अपने नीगवै मे ॥ वीक्रमजी नराज सुष दै
मे ॥ कौ है तवच्चन तल्की सुहल्की मै ॥ माहा मूरी ते हरषत ही पेखी
मो वसी पै ॥ वासं झ ट त्नम सेवा झीनी ॥ माहा सुजस अपनै सी
र ल्वीना ॥ त्नमरे घर फेरत हो घानी ॥ तापी छै अब कहु काहानी ॥

जानत नहीं कोन ठौर आपो ॥ मोही ढोढप मैं हैं व पो हो चापो ॥ दोहा ॥ मन र [illegible]
म्हैलन नग पो ॥ मन आवत तीथें जोर ॥ मन आवत सव सुख न पो ॥ हयें संग जोग
दु दुखोर ॥ चौपई ॥ मुनी आई दुख ग पो हमारो ॥ नीस चैहें पहस वव तमा
108 रौ ॥ जब लग घर मैं सास नवाई ॥ तुम्हारौ ऽन अवतना आई ॥ स
दा सदा तम गुन चित धारहु ॥ मदा सदा तम वचन उचारि हो ॥ धाजस
कौ वस्त्रो तव पैहे ॥ कबहु अहेय चारि चहि बैहे ॥ ता छीन पावि घी वस्त्र गउ
चारे ॥ विन्क मन नर अव पहम न धारे धरम मइ पराजव ऽग्यानी मा
हा हा पन अपने जि पग्मानी ॥ वस्त्रो देवे की मन मैं ही ॥ मन मा पूरन उ
रीत वैही ॥ चि विघ स्तुर गव सन पैहै रापो ॥ सेवा को फव सेवा पापो ॥

॥ दोहा ॥ दिपे रतन अमोर द्रष वोह वसन अमर पसु रंग ॥ पूरन आस प्रीत
हो ॥ दीपे अच छाप तूरंग ॥ तेलीउवाच ॥ धरमराज तम पूरन कोडी ॥ प्र
109 डुम अंजन सोवत होय डी ॥ दिव्य रूप अमनै अवतारा ॥ सो चित पूरन आमा
नतूमारा ॥ सो गह तम प्रवेस जब डीना ॥ सुफल मनोरथ गोदी डीना ॥
ह मक कधु पह आवन्ही जाने ॥ मूरख वच्चन आर सिर आनी ॥ कधु न्ही
ह मतै यनी आइी ॥ जानत होगपो मूरख आइी ॥ अवसो परीछा पाइसी
दीनी ॥ वोहो विध मनसा पूरन डीनी ॥ चंपावती नगरी मै माही ॥ सो प्र
कपा घरै पर छाही ॥ तम नरेस वी कामसी छापा ॥ इस मतै फल गड़ी पह
मापा ॥ दोहा ॥ वीकम छापा तै नड़ी ॥ मापा रूप लखाप ॥ नीर घन के घरमै

दिपो धन नही धन कै वाप ॥ अथ चौपई ॥ दीन वचन तेली मुष पा ग ॥ प

कम चरनं न सीस नवापो ॥ मुनी मे ज्रप महा स्रिद वानी ॥ बोले तम्ह घूर

110 वचन मुरगानी ॥ कौति उजीनी कीत पहन गरी है ॥ स्रित हम षित

तमा मिलन धरी है ॥ कीत वह दिन जीना विघन उरापो ॥ नीसी दीनी म्सि

स्ट सारस दिषापो ॥ कीत नम गह स्रित मैं वे गपो हु ॥ हवै मुष प रनावद

गनपो हु ॥ कीत वीवाह है होति वलोउ ॥ वहदीन पह दिम स्रिल तन को

उ ॥ नाते अव मै हर गती पाई ॥ यह चरीत्र देष्यो अनी नाई ॥ माहा क

सट तुम हु पहचाना ॥ फेर माला मुष पर अनाना ॥ दोहा ॥ होतीव अमताव

वल वान है ॥ होतीव मद राजस संग ॥ होति वम्र सुषमे दुष जपो होतीव कीर

मुवर्णो ॥

॥चौपई॥ मीलनकाज ऊतरे ईहठांइ॥ वोहोत दिनाहीका श्रीपरघर्मरी
रै है तजपेठै इह नगरी माही॥ मातवहुबसंकट सिरधारा॥ हीनपपु सव
तकरे हमारा॥ कछु सुदेसमी सुधनहीजाना॥ खेदीसटतै सवावि सरा
ना॥ तातै अववकिवारचलनै मो॥ हरषनपो त्वमसु मीकनै मो॥ कमा
जीमनोरथपूरनहोहै॥ त्वमगुनमहामहामममोहे॥ मातिसमंनदजी
पुमाही बिकैहै॥ जरि अंमुवारमुनाही मिकैहै॥ मील्नती प्रीती पूरनभरी
दीना॥ अवसुदेसप्रामारगलीना॥ दोहा॥ चंपावती नगरी म्हाप्ररडंडं
वतनरेमा॥ हरषगवनपहंडवनतेमारगलिपोमुदेस॥ इतीश्रीवतीपोह
समोप्रमथ्यापुतलीप्रोमील्नवे प्रोप्रसंगमं पूरणं॥ अथसुदेसप्रोगवनप्रसं
गवरननं॥

५८

नदीसीष दीनवड़ी नरेसा॥ चले नमवे नमपनी देसा॥ पे प्रभोर मनन्मी

न तरानी॥ पेस मोरश्री कवर बखानी॥ अल्प मत जो कछु होउ न जोरा॥ अ

112 ल्प मत मद देर सुंदर गोरी॥ अल्प मत वरनर जमदुकमारा॥ अल्प मत मवे

माजउ जी पारा॥ अल्प मत माज मवे तूरहीके॥ अल्प मत माज ह्लातीस

जीस जि नीमे॥ अल्प मत सेगमहामरसावे॥ अल्प मत मवै चले मगजा

वै॥ जो कोई दिषता है दीनमोना॥ जीत तज रनाये तनमै गोना॥ चवते

चवते नगरनी रोंनो॥ नेंतषा परीखि नमसथाना॥ दोहा॥ पह विधी

टूह मेजरगतमु॥ वीक्रमजीत नरेस॥ माहाउज्ल रानी चोपे पोहोचे नमा

पमदेस॥ पोहोचे नमाप नगरपे माही॥ माहामुदित मन हरषत नमवाजी॥

आपम ... आगै॥ बीकमजीतमाहामुषपागे॥ मोला...
आपसे होठी॥ श्रीपमेगआपेमुषहोठी॥ मीलतमातमुहैपुहआती
113 हैहरषजातमुविहैरतछाती॥ मीलतपूत्रनाइ संसारा॥ मीलत
जातमवहीपरवारा॥ मीलीमीली सवमुषपावतजीमे॥ आऊजीय
ग्रामजपेनगरीमे॥ अवजितचले जहांगमा॥ जोवतमागत
वृषीयआमा॥ मिलतजातमवरानिनसोही॥ हरषहरषसवओ
मूषहोही॥ दोहा॥ वरषतदीमरतसंघनहनै॥ हरषतसवपरवार
मरसतमोचाआजप्रीदसतराजकुवार॥ बीकजीतमाहावडआ
गे॥ कीरीपहराजमुकरने लागे॥ नवग्रहपूजननितनितीकरही॥

मन ... देनध्यानसु धरही ॥ ऐसी श्रीरषाजरी ...

कट ...हापोवैही ॥ ऐसौ मो अचीरज अपो अ देसा ॥ मो ... ताकी

११५ रे विदेसा ॥ ऐसी ही कीरीकृपा जनाई ॥ दुबली मे सुष अपो सहा

ई ॥ नीती नीती ध्यान चरन पर धरहु ॥ निती निती हु अवनीतनी

करहु ॥ नीती नीती मेरे हाल हवाला ॥ नीती निती मदार हौ रछ्या

का ॥ दोहा ॥ प्रात देवसु वीनीती तवैवे मीवूधहीन ॥ अव ही हविधप्री

न ॥ पूरन भई जू कथा है श्री सनीध्य देव प्री है ॥ जो नर नारी जग मै है वे गो ॥

पा च रच्या सो ध्यान धरैगो ॥ बाप कृपा सदा सदा सु बवती है ॥ कव्य

हुन दुष पावै वह सोई ॥ जो चीत मै चाही गुने वह्यकोई ॥ मनीरती

॥सो हम मगन चित तं है लाकी॥ भाव

चितदानं॥ करवी सतारह नाथ याचीनो॥ जो कोई सब

तधारी है॥ जाको सब बीधी कारज सरी है॥ चलौ चूपी जो होय प्रल

115 री॥ सो सुधारी लीज्यो ति हवारी॥ दोहा॥ देव मनीश्र की कथा पूरन

करी बिनाय॥ पछता सुनात जीही मन लागे॥ पछहु सुनी तु चितला

पु॥ नाथ बाधी मैं पूरन धीना॥ जमट तर जनपर दोहा हीना॥ गंगु

मीलाप नेद सब राखे डारन भक्ता पुजर चो दे है नाथसे॥ तामैं कोवी सता

रव जापो॥ जो प्रसंग सो सुपरवनापो॥ जो कोई पछ सुनकर जोरी॥ पर

सी दवानी परमत होई॥ सब तु कहीं मरतमं दरवानी॥ वरन तहुनीण

सभा ॥ [illegible] हीनमया [illegible] पाईसु [illegible]

[illegible] बलजोरव [illegible] ह मारा ॥ [illegible]

कट [illegible] नहांमेह [illegible]

[illegible] र तीभ्रम्रमसट मीजान ॥ कमरगुरवामेर

[illegible] जाती [illegible] ॥ न

सवतपरबवजगरचापूरमाही ॥ तीरोहमन्नमठारैसवलोबजा

कगीहकथामुग्ररवनीजगतसिराहनजोगी जिनडीनचरनसरण

त्नीपोतिनपापोसवसुषजोग ॥ इती श्रीमनोरथजीकीकथासंपूरणं

मीती वैसाषसुदीईसंवत १८५६ [illegible] लीषीसूयामराजगछ [illegible] मैथ्री

बीलीछमणरामथापथमाथुरवाचै जीसुरामरामसुधमसुधपठीसुष

रीवीन्गोश्री रामजी ॥ नमथवाजी [illegible] मरली [illegible] भले ॥ गांवीरैहैषी ॥ पची

पेषमहेमोकोलेषापीवसु ॥ वीरैहनीहैवलालजापगीजीषसु ॥ मीचहारासुरमसी